शनिवार
10 फरवरी 2024

पृष्ठ 4

इन उपायों को करने से पाया जा सकता है दांत दर्द में आराम

पृष्ठ 5

तमन्ना भाटिया वेब सीरीज में आएंगी नजर

● देहरादून
● वर्ष 32
● अंक 17
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

आज का विचार

अत्याचार और अनाचार को सिर झुकाकर वे ही सहन करते हैं जिनमें नैतिकता और चरित्र का अभाव होता है।

– कमलापति त्रिपाठी

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक

email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com

आर.एन.आई.- 59626/94

डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

हल्द्वानी हिंसा की मजिस्ट्रेट जांच के आदेश

❑कुमाऊं कमिश्नर दीपक रावत को जांच का जिम्मा
❑15 दिन में जांच रिपोर्ट सरकार को सौंपने को कहा
❑सरकार दंगाइयों पर सख्त एक्शन की तैयारी में

विशेष संवाददाता

देहरादून/हल्द्वानी। हल्द्वानी की हिंसा को लेकर अब शासन-प्रशासन सख्त एक्शन के मोड में आ गया है। मुख्य सचिव राधा रतूड़ी ने आज घटना की मजिस्ट्रेट जांच के आदेश जारी कर दिए हैं। कुमाऊं कमिश्नर दीपक रावत को जांच का जिम्मा सौंपा गया है तथा 15 दिन के अंदर जांच रिपोर्ट शासन को देने की निर्देश दिए गए हैं। उधर हल्द्वानी जिला प्रशासन द्वारा दंगाइयों को चिन्हित करने और उनकी धर पकड़ का काम भी तेजी से शुरू कर दिया गया है।

हल्द्वानी दौरे से वापस लौटी मुख्य सचिव राधा रतूड़ी ने इस घटना की जांच के आदेश जारी कर दिए हैं और स्पष्ट किया है कि किसी भी दोषी को बक्शा नहीं जाएगा। वही एसएसपी प्रहलाद मीणा द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार अब तक हल्द्वानी हिंसा को लेकर तीन एफआईआर दर्ज की गई है जिसमें 19 लोगों को नामजद किया गया है तथा 50 के आस पास लोगों को हिरासत में ले लिया गया है जिनसे पूछताछ की जा रही है। उन्होंने कहा है इस मामले में 5000 अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

उन्होंने बताया कि इसमें पांच लोगों की मौत हुई है तथा घायलों में से तीन की हालत गंभीर है। 100 से अधिक पुलिस कर्मियों को चोटे आई है जो प्राथमिक उपचार के बाद ड्यूटी पर लौट आए हैं। उन्होंने बताया है कि सीसीटीवी फुटेज के आधार पर दंगाइयों की पहचान का काम किया जा रहा है। उन्होंने यह भी जानकारी दी है कि इस घटना में 6 करोड़ के आस पास संपत्तियों को नुकसान हुआ है। जिनमें से 5 करोड़ के आस पास सरकारी संपत्ति है और एक करोड़ के आस पास निजी संपत्तियों को नुकसान पहुंचा है। उधर आज जिलाधिकारी वंदना सिंह ने भी हिंसा प्रभावित क्षेत्र का दौरा कर स्थिति का जायजा लिया उनका

◀◀ शेष पृष्ठ 7 पर

बनभूलपुरा को छोड़कर बाकी शहर से कर्फ्यू हटाया

❑बनभूलपुरा में दंगाइयों की धर पकड़ जारी
❑सीसीटीवी फुटेज की जांच में जुटी पुलिस

हमारे संवाददाता

हल्द्वानी। हिंसा प्रभावित बनभूलपुरा क्षेत्र को छोड़कर आज पूरे हल्द्वानी शहर से कर्फ्यू हटा लिया गया है। कर्फ्यू हटाये जाने के बाद शहर की सड़कों पर एक बार फिर से चहल-पहल शुरू हो गई है। हालांकि पुलिस की बड़ी संख्या में अभी तैनाती है और चप्पे-चप्पे पर नजर रखी जा रही है।

बनभूलपुरा जहां से इस हिंसा की शुरुआत हुई उसे छोड़कर अब पूरे शहर से कर्फ्यू हटाया जा चुका है। वही बनभूलपुरा में कर्फ्यू के साथ-साथ अभी भी पुलिस का सख्त पहरा है। हर गली पर बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी तैनात है वही दंगाइयों की तलाश और धर पकड़ का काम भी जारी है।

स्थानीय प्रशासन द्वारा नगर में शांति बहाली का संदेश देने के लिए हल्द्वानी में कर्फ्यू को हटा दिया गया है। जिससे जनजीवन जल्द सामान्य हो सके। हालांकि अभी स्कूल-कॉलेज और इंटरनेट सेवाएं बंद ही रही रखी गई है वहीं अधिकांश बाजार और दुकान भी बंद रही, वहीं कुछ दुकानें खुली रही है। सड़कों पर लोगों की आवाजाही कम ही है लेकिन लोग आ जा रहे हैं। तिकोना पार्क से उत्तरी शहर के हिस्से में आने जाने वालों को रोका नहीं जा रहा है।

इस हिंसा को अंजाम देने वालों की सरगर्मी से तलाश जारी है। एक खबर यह भी आई थी कि हिंसा का मास्टरमाइंड अब्दुल मलिक भी गिरफ्तार किया जा चुका है लेकिन इसकी पुलिस द्वारा पुष्टि नहीं की गई है। बनभूलपुरा क्षेत्र में कर्फ्यू तो जारी है ही और लोग घरों में बंद हैं वहीं यहां अतिरिक्त फोर्स की तैनाती भी की गई है। खबर यह है कि प्रशासन द्वारा उस विवादित स्थल को ढहाने और निगम की जमीन को कब्जा मुक्त करने का प्लान किया जा रहा है हालांकि समाचार लिखे जाने तक ऐसा कुछ किया नहीं गया है। हां सीसीटीवी व अन्य वीडियो फुटेज पुलिस द्वारा जरूर कंगालें जा रहे हैं जिससे दंगाइयों को चिन्हित किया जा सके।

यूसीसी के नियमावलियों का ड्राफ्ट तैयार करने के लिए नौ सदस्यीय समिति का गठन

देहरादून (सं)। समान नागरिक संहिता उत्तराखण्ड 2024 के विधयेक से संबंधित नियमावलियों का ड्राफ्ट तैयार करने के लिए नौ सदस्यीय समिति का गठन कर लिया गया है। आज यहां इसकी जानकारी देते हुए विशेष सचिव रिधिम अग्रवाल ने बताया कि समान नागरिक संहिता, उत्तराखण्ड 2024 विधयेक से सम्बन्धित नियमावलियों का आलेख्य (ड्राफ्ट) तैयार किये जाने हेतु निम्नवत समिति का गठन किये जाने की राज्यपाल द्वारा सहर्ष स्वीकृति प्रदान कर दी है। उन्होंने बताया कि समिति के अध्यक्ष सेवानिवृत्त मुख्य सचिव शत्रुघ्न सिंह होंगे, इसके साथ ही सुधीर सिंह अपर सचिव न्याय, उत्तराखण्ड शासन सदस्य, अपर सचिव कार्मिक उत्तराखण्ड शासन पदेन सदस्य, अपर सचिव पंचायती राज उत्तराखण्ड शासन पदेन सदस्य, अपर सचिव शहरी विकास पदेन सदस्य, अपर सचिव वित्त उत्तराखण्ड शासन पदेन सदस्य, बरिंदरजीत सिंह पुलिस उप महानिरीक्षक प्रशिक्षण सदस्य, श्रीमती सुरेखा डंगवाल कुलपति दून विश्वविद्यालय सदस्य व मनु गौड सामाजिक कार्यकर्ता सदस्य होंगे। उन्होंने बताया कि उक्त समिति द्वारा समान नागरिक संहिता उत्तराखण्ड 2024 विधयेक के प्राविधानों के सफल क्रियान्वयन हेतु नियमावलियों का ड्राफ्ट तैयार किया जायेगा, जिसमें विभिन्न प्रक्रियाओं, सक्षम स्तर के प्राधिकारियों एवं प्रस्तावित अधिनियम के प्रावधानों को सुगमता से लागू किये जाने विषयक तथ्यों का समावेश किया जाय। उन्होंने बताया कि उक्त समिति के सदस्यों को उपरोक्त कार्यो हेतु कोई भी भत्ता देय नहीं होगा।

'लोकसभा चुनाव से पहले देश में लागू होगा सीएए'

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) को लेकर बड़ी घोषणा की है। उन्होंने कहा है कि लोकसभा चुनाव से पहले सीएए को लागू करने नोटिफिकेशन जारी कर दिया जाएगा और इसे लागू भी कर दिया जाएगा। उन्होंने पिछले साल दिसंबर में अपने पश्चिम बंगाल दौरे के दौरान दावा किया था कि सीएए को लागू करने से कोई नहीं रोक सकता है।

अमित शाह ने कहा, मैं साफ कर देना चाहता हूं कि सीएए किसी भी व्यक्ति की नागरिकता नहीं छीनेगा। इसका उद्देश्य केवल धार्मिक उत्पीड़न का सामना कर रहे पाकिस्तानी, अफगानिस्तानी और बांग्लादेशी अल्पसंख्यकों को नागरिकता

देना है। अमित शाह ने कहा कि पड़ोसी देशों के पीड़ित अल्पसंख्यकों को नागरिकता देने का वादा कांग्रेस का है। उन्होंने कहा, जब देश का विभाजन हुआ और वहां पर अल्पसंख्यकों को प्रताड़ित किया जाता था। उस दौरान वे सभी भारत में भाग कर आना चाहते थे, तब कांग्रेस ने कहा था कि आप यहां आइए, आपको यहां नागरिकता दी जाएगी।

केंद्रीय गृह मंत्री ने विपक्ष पर मुसलमानों को गुमराह करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, हमारे मुस्लिम भाइयों को घ्सीएए को लेकर गुमराह किया जा रहा है और भड़काया जा रहा है। सीएए केवल पाकिस्तान, अफगानिस्तान और बांग्लादेश के धार्मिक अल्पसंख्यकों को नागरिकता देने के लिए है। उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी सरकार द्वारा पेश किए गए सीएए का उद्देश्य हिंदू, सिख, जैन, बौद्ध, पारसी और ईसाइयों सहित सताए गए गैर-मुस्लिम प्रवासियों को भारतीय नागरिकता प्रदान करना है, जो 31 दिसंबर, 2014 से पहले बांग्लादेश, पाकिस्तान और अफगानिस्तान से भारत आए हैं।

दून वैली मेल

संपादकीय

हल्द्वानी की घटना खतरे का संकेत

उत्तराखंड प्रशासन का दावा है कि हल्द्वानी की घटना कोई सांप्रदायिक हिंसा नहीं है यह शासन-प्रशासन की व्यवस्थाओं पर हमला है। जिसमें कोई संदेह भी नहीं है कि वास्तव में यह घटना न तो दो संप्रदायों के बीच टकराव की घटना है और न किसी झगड़े फसाद के कारण घटित हुई है। एक अन्य महत्वपूर्ण बात जो प्रशासनिक अधिकारी कह रहे हैं वह यह है कि इस घटना को एक सुनियोजित तरीके से अंजाम दिया गया है। निश्चित तौर पर इतनी बड़ी भीड़ का पुलिस वालों के खिलाफ हल्ला बोल, घरों की छतों पर जमा पत्थर और पेट्रोल बमों के इस्तेमाल से यह साफ हो जाता है कि इसकी तैयारियां पूर्व समय में ही कर ली गई थी। हमले के दौरान या भिड़ंत के समय इस तरह की तैयारी नहीं की जा सकती थी। लेकिन इस घटना का ऐसे समय में घटित होना जब एक-दो दिन पहले ही राज्य सरकार द्वारा विधानसभा में समान नागरिक संहिता बिल को पास कराया गया है। मुस्लिम समुदाय के अंदर पनप रहे असंतोष और आक्रोश का परिणाम नहीं है। इसकी संभावनाओं को भी सिरे से खारिज नहीं किया जा सकता है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी कल जब इस हिंसा में घायलों से मिलने के लिए हल्द्वानी गए थे तो उनका कहना था कि इससे पूर्व प्रदेश में कभी कोई ऐसी घटना सामने नहीं आई है। अगर अतिक्रमण हटाने के विरोध को इसका कारण मान लिया जाए तो ऐसा तो कुछ नहीं है कि हल्द्वानी में पहली बार या राज्य में पहली बार अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई हुई हो सरकार लंबे समय से मजारों और धार्मिक संरचनाओं को हटाने का अभियान चला रही है। सरकारी और वन विभाग की जमीनों पर किए गए अतिक्रमण के खिलाफ चलाए जाने वाले इस अभियान में अब तक सैकड़ो संरचनाओं को ढहाया जा चुका है फिर आखिर हल्द्वानी में क्या कुछ ऐसा हुआ कि इतने व्यापक स्तर पर हिंसा और आगजनी पर लोग उतारू हो गए यह सबसे अहम और विचारणीय सवाल है। खास बात यह है कि इस घटना की प्रतिगूंज उत्तर प्रदेश में सुनाई दी। बरेली में कल जिस तरह से मुस्लिम समाज के लोगों की भीड़ सड़कों पर दिखाई दी और पत्थर बाजी तक हुई उससे भी समझा जा सकता है कि इस बवाल की जड़ में क्या कारण निहित है। भले ही प्रदेश में समान नागरिक संहिता को लेकर किसी तरह का विरोध न दिखाई दे रहा हो या अयोध्या में राम मंदिर निर्माण व प्राण प्रतिष्ठा के दौरान सब कुछ मंगलमय दिखा हो या फिर यूपी और उत्तराखंड में लैंड जिहाद के खिलाफ किसी कार्रवाई का कोई विरोध न किया गया हो लेकिन कहीं न कहीं कोई न कोई चिंगारी है जरूर जो भड़क कर शोला बनने को बेताब है हल्द्वानी की घटना सही मायने में शासन-प्रशासन के लिए सतर्कता का एक अलार्म जरूर है। लोकसभा चुनाव से पूर्व कुछ अराजक ताकते प्रदेश और देश का माहौल बिगाड़ सकती हैं। हल्द्वानी की घटना इसका एक संदेश है। बात चाहे यूपी की हो या फिर उत्तराखंड की दोनों ही राज्यों की सरकारों को इस घटना को हल्के में नहीं लेना चाहिए। क्योंकि यह एक बड़े खतरे का संकेत है।

राज्य की महिलाएं अपने अधिकारों के प्रति हो रही जागरूकः कुसुम कण्डवाल

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। राष्ट्रीय महिला आयोग एवम उत्तराखंड राज्य महिला आयोग द्वारा जनपद टिहरी गढ़वाल के मुख्यालय में स्थित बहुउद्देश्यीय हॉल, विकास भवन नई टिहरी में महिला सशक्तिकरण हेतु विधिक जागरूकता की एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर कार्यशाला का शुभारंभ महिला आयोग की अध्यक्ष कुसुम कण्डवाल के साथ एडीएम के के मिश्रा, एसडीएम, राजेश नौटियाल, आयोग की सदस्य सचिव उर्वशी चौहान व डीपीओ शोएब हुसैन के द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया।

कार्यशाला के शुभारम्भ में दयाराम सिंह, विधि अधिकारी राज्य महिला आयोग द्वारा घरेलू हिंसा से महिलाओं का संरक्षण अधिनियम २००५ की जानकारी दी गई। साथ ही आयोग के कर्तव्यों व कार्यों की भी जानकारी दी गई।

आयोग की सदस्य सचिव उर्वशी चौहान द्वारा स्त्री अशिष्ट रूपण अधि नियम 1986 की जानकारी दी गई। जिसके तहत किसी भी स्त्री को अपमानजनक स्थिति में दिखाने वा दर्शाने पे सजा का प्रावधान की जानकारी दी। रिसोर्स पर्सन एडवोकेट शिखा शर्मा बिष्ट द्वारा प्रतिभागियों को लिंग संवेदीकरण के संबंध में जानकारी दी गई।

कार्यक्रम में उपस्थित सहायक अभियोजन अधिकारी सीमा चौधरी द्वारा कार्यस्थल पर यौन उत्पीडन निवारण अधिनियम की जानकारी दी गई। तथा पुलिस विभाग से उपस्थित एसआइ नीतू रावत द्वारा पुलिस विभाग के कार्यों का विवरण देते हुए महिला प्रताड़ना से सम्बंधि त शिकायत कराने के तरीके को बताते हुए पुलिस द्वारा पीड़ित महिलाओं सहायता व सहयोग की जानकारी दी गयी।

कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि रहते हुए आयोग की अध्यक्ष कुसुम कण्डवाल ने कहा कि आज राज्य की महिलाएं अपने अधिकारों के प्रति जागरूक हो रही है और अपने अधिकारों को जान रही है। जिसके दम पर महिलाशक्ति आत्मनिर्भर हो रही है। उन्होंने कहा कि आज प्रधानमंत्री के नेतृत्व में महिलाए हर क्षेत्र में परचम लहरा रही है तथा राज्य के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी जी महिलाओं की सुरक्षा व उनके सशक्तिकरण के प्रति अत्यंत संवेदनशील है।

उन्होंने जानकारी देते हुए कहा कि राज्य महिला आयोग लगातार इस प्रकार की जागरूकता कार्यशालाओं का आयोजन कराता रहता है ताकि महिलाओं को उनके अधिकारों, कानून और योजनाओं की जानकारी, समय समय से मिलती रहे।

कार्यक्रम का संचालन सीडब्ल्यूसी के सदस्य एल पी उनियाल द्वारा किया गया जिनके द्वारा उनके द्वारा सीडब्ल्यूसी के कार्यों का भी विवरण बताया गया। इस अवसर पर डीपीओ शोएब हुसैन, जिलाध्यक्ष राजेश नौटियाल, सुषमा उनियाल, मनोज नकोटी, उर्मिला राणा, डॉ प्रमोद उनियाल, एडवोकेट लक्ष्मी उनियाल, उदय रावत, गोपीराम चमोली, लीला मखलोगा तथा विभिन्न विभागों से महिला कार्मिक व अधिकारी एकदिवसीय कार्यशाला में उपस्थित रही।

शराब के साथ महिला सहित दो गिरफ्तार

देहरादून (सं)। पुलिस ने शराब के साथ महिला सहित दो लोगों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार रायवाला थाना पुलिस ने अंडरपास के पास एक स्कूटी सवार को रूकने का इशारा किया तो वह पुलिस को देख स्कूटी को तेजी से भगा ले गया। पुलिस ने पीछा कर उसको थोडी दूरी पर ही दबोच लिया। तलाशी लेने पर पुलिस ने उसके कब्जे से 80 पव्वे शराब के बरामद कर लिये। पूछताछ में उसने अपना नाम सागर पुत्र ऋषिपाल निवासी नागल सहारनपुर बताया। वहीं नेहरू कालोनी थाना पुलिस ने सपेरा बस्ती के पास से एक महिला को 55 पव्वे शराब के साथ गिरफ्तार किया। जिसने अपना नाम परमेशा पत्नी देशराज निवासी सपेरा बस्ती बताया।

पशुधन प्रसार अधिकारी सहित अन्य पदों के लिए लिखित प्रतियोगी परीक्षा 11 को

संवाददाता

देहरादून। अधीनस्थ सेवा चयन आयोग के द्वारा संचालित पशुधन प्रसार अधि कारी, सहायक प्रशिक्षण अधिकारी आदि पदों के लिए लिखित प्रतियोगी परीक्षा 11 फरवरी को होगी।

आज यहां आयोग के सचिव सुरेन्द्र सिंह रावत ने जानकारी देते हुए बताया कि पशुधन प्रसार अधिकारी, सहायक प्रशिक्षण अधिकारी (रसायन शाखा), अधि दर्शक/प्रदर्शक (रेशम), निरीक्षक (रेशम) के पदों हेतु लिखित प्रतियोगी परीक्षा 11 फरवरी को प्रातः 11 बजे से अपराहन एक बजे तक देहरादून व हल्द्वानी में आयोजित होनी है।

उन्होंने बताया कि उक्त परीक्षा के संदर्भ में हल्द्वानी स्थित परीक्षा केन्द्रों के अभ्यार्थियों द्वारा कर्फ्यू व धारा-144 लागू होने की स्थिति में परीक्षा होनी है अथवा नहीं के संदर्भ में असमंजस की स्थिति व्यक्त की जा रही है। उन्होंने बताया कि सभी अभ्यार्थियों को उक्त स्थिति के सम्बन्ध में सूचित किया जाता है कि उक्त परीक्षा निर्धारित तिथि, समय व पूर्व निर्धारित परीक्षा केन्द्रों में ही आयोजित की जायेगी। इस परीक्षा कार्यक्रम में कोई परिवर्तन नहीं किया गया है। अभ्यार्थियों से यह भी अपेक्षा की जाती है कि परीक्षा अवधि में आवगमन की दृष्टि से सभी अभ्यार्थी अपना प्रवेश पत्र फोटोयुक्त पहचान पत्र अपने साथ में रखेंगे।

श्री दुर्गा शक्ति मंदिर का वार्षिक उत्सव धूमधाम के साथ संपन्न

संवाददाता

ऋषिकेश। श्री दुर्गा शक्ति मंदिर के वार्षिक उत्सव में मां भगवती के जागरण में माता की भेंटो से श्रद्धालु झूमते रहे।

आज यहां श्री दुर्गा शक्ति मंदिर मनीराम मार्ग के वार्षिक उत्सव में आयोजित भगवती जागरण में माता वैष्णो देवी पुण्य धाम के पुजारी श्रद्धेय पंडित लोकेश शर्मा पिंटू ने माँ की पावन ज्योति प्रज्वल्लित की। इसके बाद श्रद्धा चैनल फेम जम्मू कटड़ा के प्रसिद्ध भजन गायक सुरेश ने माता की भेटो की सुंदर प्रस्तुति दी जिसमे श्रद्धालु जन देर रात तक झूमते रहे... उन्होंने मैय्या जी तुम बड़ी दयालु हो.... माँ कैसे ना रीझेगी.... चलो बुलावा आया है भेटे प्रस्तुत की....। भजन गायक पंडित ज्योति शर्मा ने तूने मुझे बुलाया शेरावालिये.... मेरी माँ के बराबर कोई नहीं भेटो से श्रद्धालुओ को भाव विभोर कर दिया..। प्रातः काल पूर्णाहुति के बाद भंडारा किया गया जिसमे नगर क्षेत्र के हजारो श्रद्धालुओं ने माँ का प्रसाद ग्रहण किया। इस मौके पर मंदिर समिति अध्यक्ष संदीप मल्होत्रा, महासचिव पंडित ज्योति शर्मा, रमन नारंग, अनिल मेहरा, गुलशन गाबा, सतीश कक्कड, संतोष शर्मा, अनिल विरमानी, प्रदीप कोहली, चंद्र भाटिया, मुकेश शर्मा, चन्द्रमोहन विरमानी, नरेश अरोड़ा, गोपाल नारंग, अमृतलाल नागपाल, प्रवीण गुरेजा, राजेश अरोड़ा, धीरज कथूरिया, पंकज जुनेजा, सुभाष टुटेजा सहित श्रद्धालु मौजूद रहे।

दो गाड़ियों की आपस में भिड़ंत से चालक घायल, जाम लगा

संवाददाता

देहरादून। आशारोहडी के पास डंपर व ट्रेक्टर की टक्कर से दोनों गाडियों के चालक गम्भीर रूप से घायल हो गये। जिनको महंत इंद्रेश अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां वह खतरे से बाहर हैं। इस दौरान दोनों तरफ वाहनो की लम्बी-लम्बी कतारें लग गयी पुलिस ने काफी मशक्कत के बाद जाम खुलवाया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार डाटकाली मंदिर की ओर से आ रहे सीमेंट के बड़े डंपर ने आशा रोड़ी के पास ट्रैक्टर ट्रोली को टक्कर मार दी जिसमें ट्रैक्टर ट्राली ड्राइवर सापेद और सीमेंट की गाड़ी के ड्राइवर प्रेम को गंभीर चोटे आई है सीमेंट का गाड़ी के ड्राइवर की हालत नाजुक बताई जा रही है। इस दौरान सुबह साढे छह बजे से दस बजे तक आशा रोड़ी में जाम की स्थिति भी बनी रही। एक्सीडेंट में घायल ड्राइवरों को इंद्रेश में भर्ती कराया गया। आसपास के दुकानदार ने बताया कि यहां चेक पोस्ट से पहले ही रोजाना लंबी लाइन लगाकर खड़े हो जाते हैं। ट्रक ट्रैक्टर ट्राली के खड़े होने की वजह से रोजाना यहां जाम लगा रहता है। पुलिस ने काफी मशक्कत के बाद जाम खुलवा दिया जिससे आसपास के लोगों ने राहत की सांस ली।

सैम बहादुर बनी जी5 पर सबसे ज्यादा देखी जानी वाली फिल्म

विक्की कौशल फिल्म सैम बहादुर की रिलीज के बाद से ही अपने शानदार प्रदर्शन के लिए सुर्खियां बटोर रहे हैं।भारत के पहले फील्ड मार्शल के जीवन पर आधारित फिल्म में विक्की सैम मानेकशॉ के किरदार में छा गए थे।अब हाल ही में मेघना गुलजार के निर्देशन में बनी इस फिल्म ने ओटीटी प्लेटफॉर्म जी5 पर दस्तक दी।इसी के साथ यह दुनियाभर में जी5 पर देखी जानी वाली अब तक की सबसे बड़ी हिंदी फिल्म बनकर उभरी है।

रिपोर्ट के अनुसार, सैम बहादुर ने जी5 पर अपनी डिजिटल रिलीज के पहले 3 दिनों में ही धमाल मचा दिया है। फिल्म ने दक्षिण एशिया-केंद्रित क्षेत्रों में पहला स्थान हासिल कर लिया है।इसके साथ ही विक्की की फिल्म ने सनी देओल की गदर 2 और मनोज बाजपेयी की सिर्फ एक बंदा काफी है जैसी 2023 की ब्लॉकबस्टर फिल्मों को पीछे छोड़ दिया है।अब यह जी5 पर देखी गई हिंदी फिल्मों में सबसे आगे निकल आई है।

जी5 ग्लोबल ने अभी फिल्म देखने वालों की संख्या का खुलासा नहीं किया है, लेकिन यह बताया गया है कि फिल्म को 190 से अधिक देशों में देखा गया है। इसमें भारत के बाद अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, संयुक्त अरब अमीरात और कनाडा सबसे आगे हैं।फिल्म ने हाल ही में हुए फिल्मफेयर पुरस्कारों की तकनीकी श्रेणी में भी अपना जलवा दिखाया था और बेस्ट साउंड डिजाइन , बेस्ट प्रोडक्शन डिजाइन और बेस्ट कॉस्टयूम डिजाइन का खिताब अपने नाम किए थे।

जी5 ग्लोबल की मुख्य व्यवसाय अधिकारी अर्चना आनंद ने सैम बहादुक को मिली वैश्विक सफलता पर खुशी जताई।उनका कहना है कि गणतंत्र दिवस के मौके पर जी5 ग्लोबल पर फिल्म को मिली इस रिकॉर्डतोड़ सफलता से स्पष्ट है कि यह इस शानदार साल की शुरुआत है।साथ ही उन्होंने कहा, मैं यह देखकर रोमांचित हूं कि जी5 ग्लोबल दुनिया भर के दर्शकों को शीर्ष स्तर की दक्षिण एशियाई सामग्री प्रदान करते हुए लगातार मजबूत हो रहा है।

सैम बहादुर ने 1 दिसंबर को सिनेमाघरों में दस्तक दी, जिसमें विक्की के साथ फातिमा सना शेख, मोहम्मद जीशान अय्यूब और सान्या मल्होत्रा शामिल थे।फिल्म में सैम मानेकशॉ के 4 दशक तक भारतीय सेना में शामिल रहने और फिर भारत के पहले फील्ड मार्शल बनने तक की कहानी दिखाई है।बॉक्स ऑफिस पर इसकी टक्कर रणबीर कपूर की एनिमल से हुई थी और यह भारत में 94 करोड़ रुपये तो दुनियाभर में 130 करोड़ रुपये कमाने में सफल रही। (आरएनएस)

यामी गौतम स्टारर आर्टिकल 370 का पहला गाना दुआ हुआ रिलीज

यामी गौतम स्टारर फिल्म आर्टिकल 370 का पहला गाना दुआ रिलीज हो गया है। इस गाने में यामी गौतम को दुश्मनों से लड़ते हुए दिखाया गया है। ऐसे में इस गाने को उन सभी लोगों के लिए ट्रिब्यूट कहा जा रहा है, जो बिना किसी स्वार्थ के दिल और जान से देश की सेवा करते हैं। नेशनल अवार्ड विनर आदित्य सुहास जंभाले द्वारा निर्देशित फिल्म आर्टिकल 370 एक पॉलिटिकल और एक्शन ड्रामा है। इस फिल्म में मुख्य भूमिका में यामी गौतम और प्रियामणि हैं।

फिल्म आर्टिकल 370 का टीजर पहले ही रिलीज हो चुका है और टीजर ने फैन्स के बीच हलचल पैदा कर दी है। ऐसे में फिल्म के पहले गाने दुआ को भी फैन्स काफी पसंद कर रहे हैं। यह गाना देशभक्ति से लबरेज और दिल

छू लेने वाला है, जिसे जुबिन नौटियाल और शाश्वत सचदेव ने अपनी मधुर आवाज से सजाया है।

आर्टिकल 370 के इस दिल छू लेने वाले गाने को शाश्वत सचदेव ने ही म्यूजिक भी दिया है। इस गाने के बोल कुमार ने लिखे हैं। इस गाने में फीमेल आवाज प्रियांशी नायडू की है। यह दिल छू लेने वाला यह गाना दुआ उन सभी बहादुर दिलों के लिए एक आदर्श गीत है, जो बिना किसी शर्त देश की सेवा करते हैं।

इस गाने के बारे में यामी गौतम ने कहा, जब मैंने पहली बार गाना सुना तो मैं बेहद भावुक हो गई थी। गाने के बोल इतने दमदार हैं कि वे आपके दिल को छू जाते हैं। साथ ही, इसे कश्मीर के बहुत ही खूबसूरत इलाकों में शूट किया गया है, जो इसे और भी शानदार बनाता है। लेकिन हां, यह गाना उन सभी लोगों के लिए एक खूबसूरत ट्रिब्यूट है, जो निस्वार्थ भाव से देश की सेवा करते हैं।

बता दें कि जियो स्टूडियोज और उरी- द सर्जिकल स्ट्राइक के मेकर की ओर से आर्टिकल 370 एक हाई ऑक्टेन एक्शन पॉलिटिकल ड्रामा है, जिसमें अभिनेत्री यामी गौतम अहम भूमिका में नजर आ रही हैं। ज्योति देशपांडे, आदित्य धर और लोकेश धर द्वारा निर्मित यह फिल्म 23 फरवरी 2024 को दुनिया भर के सिनेमाघरों में रिलीज की जाएगी। (आरएनएस)

घर पर इस तरह बनाएं फेस मिस्ट, 2 मिनट में पाएं निखरी त्वचा

महिलाएं अपनी स्किन को निखारने के लिए तमाम तरह के उपाय करती हैं, लेकिन बिजी लाइफस्टाइल और भाग-दौड़ में त्वचा पर ध्यान नहीं दे पाती हैं। ऐसे में आप स्किन को फ्लॉलेस और हाइड्रेटेड रखने के लिए फेशियल मिस्ट का इस्तेमाल कर सकती हैं। बहुत से लोग फेस मिस्ट के बारे में शायद नहीं जानते होंगे। ये एक तरह का स्प्रे होता है जिसे हर्बल और नेचुरल चीजों से मिलाकर बनाया जाता है।

मार्कट में कई तरह के फेस मिस्ट मिलते हैं। आप चाहे तो इसे आसानी से घर पर भी बना सकती हैं। इसमें इस्तेमाल होने वाली सभी चीजें स्किन के लिए फायदेमंद है। इसे लगाने से आपको कोई साइड इफेक्ट नहीं होगा। आइए जानते हैं फेस मिस्ट बनाने के तरीकों के बारे में।

खीरा और नींबू

इस घरेलू फेशियल मिस्ट को बनाने के लिए आपको खीरा, पानी और नींबू को मिलाना है। इन तीनों चीजों को मिलाकर लगाने से आपकी स्किन हाइड्रेटड नजर आएगी। इसके लिए आपको सबसे पहले खीरे का जूस बनना है और उस मिश्रण में थोड़ा सा नींबू का रस मिलाना है। इसके बाद मिंट टी बैग को 5 मिनट के लिए गर्म पानी में मिलाएं और ठंडा होने के बाद इसे खीरे और नींबू के जूस में मिलाना है और इस मिश्रण को स्प्रे बोतल में रखकर रेफिजरेटर में रखना है। खीरे, नींबू और मिंट की खूशबू आपके मूड को अच्छा रखेगी। साथ ही त्वचा भी निखरी- निखरी नजर आएगी।

गुलाब जल फेस मिस्ट

इसे बनाने के लिए आपको गुलाब की पत्तियों को पैन में डालना है और उबाल आने तक छोड़ देना है। जब ये मिश्रण ठंडा हो जाएं। उसके बाद स्प्रे बोतल में डालकर फ्रिज मे रख दें। गुलाबजल में कई तरह के एंटीऑक्सीडेंट होते हैं जो स्किन के पीएच को बैंलेस करने में मदद करता है।

एलोवेरा और लाइम फेस मिस्ट

ऐलोवेरा आपकी स्किन के लिए बेहद फायदेमंद होता है। नींबू में विटामिन सी और एंटीऑक्सीडेंट की भरपूर मात्रा होती है जो त्वचा की सुरक्षा करता है। इसके लिए आपको ऑर्गेनिक एलोवेरा जूस में नींबू का रस और आधे मात्रा में डिस्टलड पानी मिलाना है। मिश्रण को स्प्रे बोतल में डाकलर फ्रिज में ठंडा होने के लिए रख दें।

ग्रीन टी फेस मिस्ट

गर्मियों के मौसम में ग्रीन टी का फेस मिस्ट बिल्कुल परफेक्ट है। इसके लिए आपको एक ग्रीन टी बैग, एक मग गर्म पानी और विटामिन ई की कैप्सूल लें। इन तीनों चीजों को अच्छे से मिलाएं और ठंडा होने दें। बाद में इस मिश्रण को स्प्रे बोतल में डालकर रेफ्रिजरेटर में रखें।

बालों के लिए खतरनाक हो सकता है ये हीट स्टाइलिंग टूल

आजकल बालों को स्टाइल करने और नए-नए हेयर डिज़ाइन बनवाने का ट्रेंड बहुत कॉमन हो गया है। लोग अपने बालों को स्ट्रेट, कर्ली, वेवी, स्मूथ आदि अलग-अलग तरह के लुक देना पसंद करते हैं। इसके लिए वे हीट स्टाइलिंग टूल्स जैसे - हेयर स्ट्रेटनर, कर्लिंग आयरन, हेयर ड्रायर आदि का इस्तेमाल करते हैं। इन उपकरणों से बालों को आकर्षक शेप देना बहुत आसान हो गया है। इससे बालों को अलग-अलग शेप देकर डिजाइन बनाई जाती है। लेकिन हीट स्टाइलिंग टूल्स बालों के लिए काफी नुकसानदायक होता है। आइए जानते हैं यह कैसे बालों को नुकासन पहुंचा रहा है।

बालों में प्राकृतिक रूप से नमी मौजूद होती है जो उनका पोषण करती है और उन्हें स्वस्थ रखती है। लेकिन जब हम हीट स्टाइलिंग टूल का इस्तेमाल करते हैं, तो उनसे निकलने वाली अत्यधिक गर्मी, बालों से इस प्राकृतिक नमी को सोख लेती है। बालों का अंदरूनी हिस्सा नमी के अभाव में सूखने लगता है। इससे बाल कमजोर होने लगते हैं और आसानी से टूटने व झडने लगते हैं। बालों से नमी निकलने से वे बेजान हो उठते हैं और उनकी चमक भी कम हो जाती है। इससे बाल रूखे, बेजान और टूटने लगते हैं।

बालों के अंदर केरेटिन नामक एक प्रकार का प्रोटीन पाया जाता है। यही प्रोटीन बालों को मजबूती देता है और उन्हें हेल्दी बनाए रखता है। इस प्रोटीन की मौजूदगी से ही बालों की चमक आती है। लेकिन जब हम लगातार हीट स्टाइलिंग उपकरणों का प्रयोग करते हैं तो उससे निकलने वाली अधिक गर्मी के कारण केरेटिन प्रोटीन क्षतिग्रस्त होने लगता है। इससे बाल कमजोर और भंगुर होकर आसानी से टूटने लगते हैं।

बालों को स्टाइल करने के लिए हीट वाले उपकरणों का रोजाना और लगातार प्रयोग करने से स्कैल्प को भी काफी नुकसान पहुंच सकता है। जब हम बार-बार बालों को कर्ल करते हैं, स्ट्रेटन करते हैं तो उस हीट की वजह से स्कैल्प पर भी असर पड़ता है। स्कैल्प में रूसी जैसी समस्या होने लगती है और कभी-कभी तो खुजली जैसी परेशानी भी हो जाती है। इससे बचने के लिए हीट उपकरणों को सावधानी से इस्तेमाल करना चाहिए। (आरएनएस)

पतली कमर चाहिए तो आज से ही हर रोज खायें ये चीजें

मोटापा कम करने के लिए लोग सख्त से सख्त डाइट चार्ट अपनाने को तैयार रहते हैं, खूब एक्सरसाइज करते हैं। पर आज हम आपको ऐसे टिप्स दे रहे हैं जिसको फॉलो करके आप वजन कम कर सकते हैं।

साबुत अनाज खाना शुरू करें

साबुत अनाज खाना चाहिए। इनमें सभी तरह के न्यूट्रिशन होते हैं। ये वजन कम करने में सहायक हैं। साबुत अनाज में आप बाजरा, रागी, मक्का, ज्वार आदि का सेवन कर सकते हैं। नाश्ते में दलिया खाएं।

मौसमी फल-सब्जियां खाएं

मौसमी फलों को खाना शुरू करें। मौसमी फल खाने से शरीर को फाइबर हासिल होंगे। कई तरह के पोषक तत्व भी हासिल होते हैं। जंक फूड खाना छोड़ दें। मौसमी सब्जियां खाएं। ये शरीर के लिए बेहद फायदेमंद मानी जाती हैं। इनसे शरीर

को विटामिन, मिनरल्स और एंटीऑक्सिडेंट मिलते हैं।

ग्रीन टी पीना शुरू करें

ग्रीन टी पीने की आदत डालें। इसमें एंटी ऑक्सीडेंट गुण होते हैं, जो मोटापा कम करने में सहायक हैं। दिन में कम से कम एक बार ग्रीन टी का सेवन जरूर करें।

कांग्रेस में दिग्गज नहीं दिखा रहे दम

देवदत्त दुबे

2023 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की करारी पराजय के बाद कार्यकर्ताओं से ज्यादा हताशा कांग्रेस के दिग्गज नेता दिखा रहे है। पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह, कमलनाथ लोकसभा चुनाव 2024 के लिए कोई उत्साह दिखाते नजर नहीं आ रहे जबकि इन दोनों की जोड़ी ने 2018 के विधानसभा चुनाव 2019 के लोकसभा चुनाव और 2023 के विधानसभा चुनाव में भारी दम खम दिखाया।

दरअसल, प्रदेश कांग्रेस के दिग्गज नेताओं को 2023 के विधानसभा चुनाव में प्रदेश में सरकार बनाने की उम्मीद है। 2018 की तरह बन गई थी लेकिन करारी हार मिलने के बाद पार्टी के राष्ट्रीय नेतृत्व में जिस तरह से प्रदेश में व्यापक परिवर्तन किया। उसके बाद दिग्विजय सिंह और कमलनाथ ने लोकसभा चुनाव के प्रति किसी भी प्रकार का उत्साह नहीं दिखाया है। पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने जहां लोकसभा चुनाव लडने से ही इनकार कर दिया क्योंकि उनके अभी राज्यसभा के 2 वर्ष का कार्यकाल बाकी है जबकि पार्टी हाईकमान और पार्टी के रणनीतिकार दिग्गज नेताओं को लोकसभा चुनाव के मैदान में उतारना चाहते हैं। इसी तरह पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ भी विधानसभा चुनाव की पराजय के बाद बाहर चले गए थे। कुछ दिन पहले भोपाल और छिंदवाड़ा आकर औपचारिकता की है। किसी पर प्रकार की रणनीति बनाने या चुनावी तैयारी जैसा कोई बयान भी सामने नहीं आया है। इसके विपरीत कमलनाथ के पुत्र सांसद कमलनाथ को लेकर चर्चाओं का बाजार गर्म रहता है कि वे लोकसभा चुनाव लड़ेंगे या नहीं लड़ेंगे। यहां तक कि वह किस पार्टी से लड़ेंगे ऐसे भी प्रश्न चर्चा में आना कांग्रेसियों के लिए किसी झटके से कम नहीं है।

बहरहाल, प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी जहां सभी 29 लोकसभा सीटे जीतने के लिए बूउ स्तर से लेकर प्रदेश स्तर तक जोरदार तैयारी में जुट गई है। सत्ता और संगठन कदमताल करते हुए पूरी तरह से चुनाव पर फोकस किए हुए हैं। पार्टी प्रत्याशियों को लेकर सर्वे चल रहे हैं नए चेहरों को मैदान में उतरने और कुछ दिग्गज नेताओं को लड़ाने पर भी विचार चल रहा है। पार्टी पूरी तरह से चुनावी मोड में आ चुकी है। राष्ट्रीय स्तर पर अयोध्या में राम मंदिर और प्राण प्रतिष्ठा के बाद बने माहौल को पार्टी जन-जन तक पहुंचा रही है। वहीं दूसरी ओर कांग्रेस पार्टी में नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी अपनी जुझारू क्षमता अभी तक मैदान में नहीं दिखा पा रहे हैं क्योंकि उन्हें नए सिरे से पूरे प्रदेश की तासीर समझना है। राजनीतिक हालातो को पार्टी के पक्ष में कैसे लाया जाए इसके लिए कठिन परिश्रम करना है। उनका परिश्रम तभी कामयाब होगा जब पार्टी के वरिष्ठ नेता उनके साथ कदमताल करेंगे। पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह, कमलनाथ पूर्व केंद्रीय मंत्री सुरेश पचौरी, अरुण यादव, कांतिलाल भूरिया, पूर्व नेता प्रतिपक्ष अजय सिंह जैसे दिग्गज नेता जब तक मैदान में दम नहीं दिखाएंगे। कांग्रेस के लिए मुश्किलों का सामना करना पड़ेगा यदि यह सब नेता लोकसभा चुनाव में मैदान में उतरते हैं खुद चुनाव लड़ते हैं तो कार्यकर्ताओं का भी मनोबल बढ़ेगा और अपने साधनों और कार्यकर्ताओं की फौज की दम पर यह नेता टक्कर देते भी नजर आएंगे। कुल मिलाकर विधानसभा चुनाव की हार के बाद जिस तरह से कांग्रेस के दिग्गज नेताओं ने पार्टी से किनारा कर लिया है न तो लोकसभा चुनाव की तैयारी में कोई रुचि दिखा रहे हैं और ना ही राहुल गांधी की न्याय यात्रा के प्रति कोई उत्सुकता दिखा रहे हैं। उससे कांग्रेस की कमजोरी नजर आ रही है। 7 फरवरी से होने वाले विधानसभा सत्र में भी यदि कांग्रेस अपनी दम नहीं दिखा पाए तो कांग्रेस कैसे माहौल बनाएगी। कैसे कार्यकर्ताओं को उत्साहित करेगी इसको लेकर कांग्रेस की रणनीतिकार चिंतन कर रहे हैं।

आइजक सिंड्रोम का नहीं है कोई इलाज!

दुनिया में आइजक सिंड्रोम का कोई इलाज नहीं है। इसके उपचार के तौर पर यह बीमारी बढ़े नहीं इसकी दवाएं दी जाती हैं। न्यूरोमायोटोनिया (आइजेक सिंड्रोम) यह एक दुर्लभ बीमारी है। लेकिन, दुनियाभर में इस बीमारी के चलते करीब 150 से भी ज्यादा लोगों के चपेट में होने के रिकार्ड मौजूद हैं। इस बीमारी के मुख्य लक्षण ये है कि इसके चलते शरीर में अकड़न, असहनीय दर्द, मांसपेशियों में ऐंठन होने लगी।यह सिंड्रोम शरीर के रोग प्रतिरोधक क्षमता को नट कर देती है। इम्यून सिस्टम को संतुलित करने, दर्द निवारक और स्टेरायड के जरिए मरीज को राहत दी जाती है। जाहिर है, ऐसे मरीजों के इलाज पर लाखों रूपये खर्च करना पड़ता है। यह न्यूरो से जुड़ी बीमारी है। मरीज की नसों और मांसपेशियों में खिंचाव और अकड़न से असहनीय दर्द होता है। चलना-फिरना मुश्किल होने पर मरीज बेड पर पहुंच जाता है। अभी तक जीन में अचानक आए बदलाव से इस बीमारी के चपेट में पहुंचने की बात कही सामने आई है। विशेाज्ञों का कहना है कि यह बीमारी बेहद दुर्लभ है। मांसपेशियां स्थिर नहीं रहती हैं। दर्द से राहत देने के लिए दवाओं की हैवी डोज देनी पड़ती है। बीमारी आगे न बढ़े, इसे दवाओं और थेरेपी के जरिए रोका जा सकता है।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

इन उपायों को करने से पाया जा सकता है दांत दर्द में आराम

आज के समय में दांत दर्द एक आम समस्या बन गई है। ये कभी-कभी असहनीय हो जाती है। दांतों में अचानक से दर्द होने के कई वजह हो सकती हैं जैसे दांत में कीड़े या दांतों में सडन्, दांतों की सफाई ना रख पाने, कैल्शियम की कमी, बैक्टीरियल इंफेक्शन या फिर दांतों की जड़ों के कमजोर होने से भी होता है। देखा जाता है कि दांतों का यह दर्द उठते ही लोग पेन किलर लेने लग जाते हैं जो कि आपकी सेहत के लिए सही नहीं है। आज हम अपने खास खबर डॉट कॉम के पाठकों को कुछ ऐसे घरेलू उपायों के बारे में बताने जा रहे हैं जिनकी मदद से अचानक होने वाले दांत दर्द में आराम पाया जा सकता है।

बेकिंग सोडा लगाएं

बेकिंग सोडा में भी एंटीबैक्टीरियल, एंटीफंगल और एंटीसेप्टिक गुण होते हैं। गुनगुने पानी में बेकिंग सोडा डालकर उससे कुल्ला करें। इससे दांत का दर्द कम होता है। इसके अलावा आप गीली रूई में भी थोड़ा सा बेकिंग सोडा छिड? कर इसे दर्द वाले दांत पर लगा सकते हैं।

खारे पानी का कुल्ला

ये दांत दर्द से छुटकारा पाने का सबसे कारगर और आसान तरीका है। आपको बस इतना करना है कि उबलते पानी में नमक डालें, इसे घुलने दें और फिर इस पानी से अपना मुंह कुल्ला करें। ये एक प्राकृतिक कीटाणुनाशक है और आपके मुंह से पार्टिकल्स को बाहर निकालता है।

अमरूद के पत्ते

यदि आपके घर में या आस-पास कहीं अमरूद का पेड़ है तो दांत में दर्द होने पर आप उस पेड़ से नए और साफ पत्ते तोड़ लें। इन पत्तों को धुलकर साफ करें और फिर धीरे-धीरे चबाएं। अमरूद के पत्ते चबाने से भी दांत का दर्द ठीक हो जाता है। क्योंकि अमरूद के ताजे पत्तों में ऐंटिबैक्टीरियल और ऐंटिइंफ्लामेट्री गुण पाए जाते हैं। इनसे दांद दर्द में राहत मिलती है और दांत की सूजन कम होती है।

ठंडा सेक

अपने दांत दर्द को ठीक करने के लिए एक और आसान उपाय सूजन वाले एरिया को बर्फ से कंप्रेस करना है। जहां आपको दर्द हो रहा हो वहां आइस पैक को दबाएं। आइस पैक उस एरिया को सुन्न कर देगा और दर्द को कम करेगा।

कच्ची प्याज

प्याज ऐंटिसेप्टिक और ऐंटिबैक्टीरियल गुणों से भरपूर होती है। दांत दर्द होने की

स्थिति में आप प्याज को छीलकर उसे काट लें और उसका एक छोटा-सा टुकड़ा दांत के बीच रख लें। यदि आपको इस तरह मुंह में प्याज का पीस रखने में समस्या आ रही हो तो आप प्याज को कद्दूकस करके उसके रस में रुई को भिगोकर फोहा तैयार कर लें। अब इस फोहे को दांत पर रख लें। आपको आराम मिलेगा।

लहसुन

लहसुन में नेचुरल एंटीबैक्टीरियल प्रोपर्टीज होते हैं जिनका इस्तेमाल दांतों के दर्द को दूर करने के लिए किया जा सकता है। आप लहसुन को कुचलकर प्रभावित जगह पर लगा सकते हैं या लहसुन के एक टुकड़े को चबा सकते हैं। ये दर्द से राहत देगा और सूजन को कम करेगा। काली मिर्च

ज्यादा गरम या ठण्डे खाने की वजह से होने वाले दांत दर्द में काली मिर्च तुरंत आराम देता है। इसके लिए काली मिर्च पाउडर और नमक को बराबर मात्रा में मिलाएं। अब इसमें कुछ बूंद पानी की डालकर इसका पेस्ट बना लें। इस पेस्ट को दर्द वाली जगह पर लगाकर थोड़ी देर के लिए छोड़ दें। इससे दांत दर्द जल्दी ठीक हो जाता है।

लौंग

दांत दर्द का इलाज करने का एक प्राचीन तरीका है लौंग। ये बेहद फायदेमंद होती है जिसे प्रभावित एरिया पर रगड़ा जा सकता है। आप लौंग के तेल को निकालकर प्रभावित जगह पर लगा सकते हैं, इससे आपको दर्द से निश्चित रूप से राहत मिलेगी।

हींग

हींग का इस्तेमाल खाने में स्वाद और खुशबू के लिए किया जाता है लेकिन ये कई तरह के घरेलू उपचार में भी फायदेमंद है। अगर आपके दांतों में दर्द है तो चुटकी भर हींग को नींबू के रस में मिलाकर इसे रूई से दांत पर लगाएं। इससे दर्द कम हो जाएगा।

हल्दी

हल्दी को एक नेचुरल एंटीबायोटिक माना जाता है। हल्दी, नमक और सरसों के तेल का पेस्ट बना लें इस पेस्ट को उस दांत पर लगाएं जिसमें दर्द हो रहा है। हल्दी का ये पेस्ट दांत दर्द में दवा का काम करता है। (आरएनएस)

शब्द सामर्थ्य - 68

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. संबंध, लगाव, नाता, काम 2. सिसकने की आवाज, सीत्कार 4. आग की ज्वाला, दहक 5. दियासलाई 7. प्रतिकार, प्रतिशोध 8. बाबुल की दुआएं लेती जा... गीतवाली बलराज साहनी, मनोजकुमार, राजकुमार, वहीदा की फिल्म 11. करतल ध्वनि 13. आपसी व्यवहार का संबंध, वास्ता 15. वचन, जीभ 16. रोगियों को स्वस्थ और मृतकों को जीवित कर देने वाला 17. एक सुंदर फूलदार वृक्ष 19. पत्नी, बीवी 20. मसालेदार सुगंधित सुरती।

ऊपर से नीचे

1. उचित, उपयुक्त, जायज 2. किवाड़ को अंदर से बंद करने लगा छड़, चटखनी 3. मांस के अत्यंत छोटे टुकड़े 4. माथा, मस्तक 6. कटोरी के आकार का नलीदार पात्र जिसमें तंबाकू रखकर पीते हैं 9. रेखा 10. खून से लथपथ 11. छिपकर बुरी नजर से ताकने की क्रिया, रह रहकर ताकने की क्रिया 12. व्यापार, धंधा 13. शृंगार करना, साजन 14. श्रवणइंद्रीय 16. सीमा, हद 18. चमड़ा, चाम 19. बोझ, दबाव।

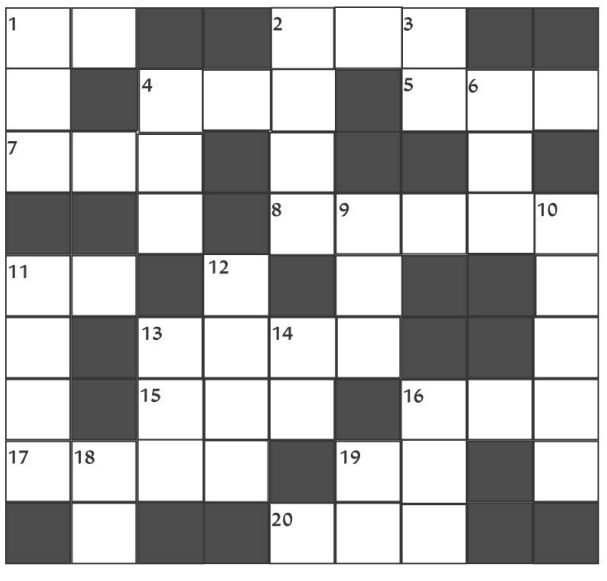

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 67 का हल

मै	दा	न	■	स	र	ग	म	■
त्री	■	सी	■	■	क्षा	■	धु	र्री
■	सा	ह	स	■	■	■	र	■
स्वा	ग	त	■	स	म	झौ	ता	■
व	र	■	■	र	■	■	■	म
लं	■	वि	ला	स	■	■	दा	म
बी	न	■	ज	■	सा	मा	न	ता
■	ज	■	वा	हि	या	त	■	■
त	र	की	ब	■	ना	■	खा	ली

बॉक्स ऑफिस पर 'फाइटर' की रफ्तार हुई कम

ऋतिक रोशन स्टारर 'फाइटर' रिलीज के बाद से ही सिनेमाघरों में दमदार परफॉर्म कर रही है. देशभक्ति की भावना जगा देने वाली इस फिल्म को ऑडियंस से जबरदस्त रिस्पॉन्स मिल रहा है.इसी के साथ ये फिल्म छप्परफाड कमाई कर रही है. 'फाइटर' ने रिलीज के चार दिनो में जगां दुनिया भर में 200 करोड़ रुपये से ज्यादा का कलेक्शन कर लिया है तो वहीं घरेलू बाजार में ये फिल्म तकरीबन 120 करोड़ रुपये की कमाई कर चुकी है. फिल्म ने हॉलिडे वीकेंड में अच्छा बिजनेस किया, लेकिन अब इसका कलेक्शन धीमा हो रहा है. छठे दिन की एडवांस बुकिंग में फिल्म ने 1.87 करोड़ रुपये की कमाई की है. चलिए यहां जानते हैं 'फाइटर' ने रिलीज के छठे दिन यानी पहले मंगलवार को कितने करोड़ का कलेक्शन किया है? ऋतिक रोशन और दीपिका पादुकोण की ऑनस्क्रीन केमिस्ट्री के साथ ही देशभक्ति और एरियल एक्शन के तड? ने 'फाइटर' को एंटरटेनमेंट का फुल पैकेज बना दिया है और इसी के साथ इस फिल्म को दर्शकों का जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला. इस फिल्म ने 22.5 करोड़ के कलेक्शन के साथ शानदार शुरूआत की थी.

इसके बाद गणतंत्र दिवस की छुट्टी का फिल्म को भरपूर फायदा मिला और इसके कलेक्शन में जबरदस्त उछाल आया और इसने 39 करोड़ का कलेक्शन किया. इसके बाद फिल्म ने तीसरे दिन यानी शनिवार को 27.5 करोड़ और रविवार को यानी चौथे दिन 5.45 फीसदी के उछाल के साथ 29 करोड़ का कलेक्शन किया. वहीं सोमवार को फिल्म ने 8 करोड़ का कलेक्शन किया. अब 'फाइटर' की रिलीज के छठे दिन यानी मंगलवार की कमाई के शुरुआती आंकड़े भी आ गए हैं. रिपोर्ट के मुताबिक 'फाइटर' ने रिलीज के छठे दिन यानी पहले मंगलवार को 7.75 करोड़ का कारोबार किया. इसकेबाद 'फाइटर' की 6 दिनों की कुल कमाई अब 134.25 करोड़ रुपये हो गई है. 'फाइटर' को क्रिटिक्स से लेकर ऑडियंस तक हर किसी से तारीफ मिली है. शुरुआती चार दिनो में दमदार कलेक्शन करने वाली इस फिल्म की कमाई में पांचवें दिन यानी सोमवार के बाद अब मंगलवार को भी गिरावट देखने को मिली है. हालांकि वीकडेज में कलेक्श घटना आम बात है. वहीं गिरावट के बावजूद 'फाइटर' ने 130 करोड़ का आंकड़ा पार कर लिया है. 'फाइटर' देश ही नहीं पूरी दुनिया में गर्दा उड़ा रही है. इस फिल्म को वर्ल्डवाइड ऑडियंस से भी खूब शानदार रिस्पॉन्स मिल रहा है. वहीं ट्रेड एनालिस्ट मनोबाला विजयबालन ने 'फाइटर' की वर्ल्डवाइड कमाई के आंकड़े शेयर किए हैं. इसके मुताबिक 'फाइटर' ने रिलीज के पहले दिन दुनियाभर में 36.04 करोड़ से ओपनिंग की थी. और फिल्म ने रिलीज पांच दिनों में वर्ल्डवाइड 225.87 करोड़ का कलेक्शन किया है. वहीं छठे दिन 'फाइटर' दुनियाभर में 230 करोड़ का आंकड़ा पार कर जाएगी. फाइटर एक हिंदी भाषा की एक्शन थ्रिलर फिल्म है ये फिल्म सिद्धार्थ आनंद ने डायरेक्ट की है. फिल्म में ऋतिक रोशन, दीपिका पादुकोण, अनिल कपूर, करण सिंह ग्रोवर और अक्षय ओबेरॉय अहम भूमिका में हैं. फाइटर 25 जनवरी 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी और इसे 250 करोड़ रुपये के बजट में बनाया गया था.

लगातार घटती कमाई के बावजूद हनु मान 200 करोड़ के पास पहुंची

तेजा सज्जा और निर्देशक प्रशांत वर्मा की 'हनु मान' को बॉक्स ऑफिस पर बड़ी सफलता मिली है. 12 जनवरी को रिलीज़ हुई, 'हनु मान' को महेश बाबू की 'गुंटूर कारम' सहित कई फिल्मों के साथ महाक्लैश का सामना करना पड़ा था लेकिन इन तमाम फिल्मों की भीड़ के बीच 'हनु मान' बॉक्स ऑफिस पर ऐसी दौड़ी की सारी फिल्में पीछे रह गई. इस दौरान 'हनु मान' ने जबरदस्त कलेक्शन किया और अपने बजट से कई गुना ज्यादा कमाई कर ली. हलांकि अब तीसरे हफ्ते में 'हनु मान' की कमाई में गिरावट दर्ज की जा रही है. चलिए यहां जानते हैं तेजा सज्जा की फिल्म ने रिलीज के 19वें दिन कितने करोड़ का कलेक्शन किया है? 'हनु मान' को सिनेमाघरों में दर्शकों से जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला है. इस मूवी ने कई बड़ी फिल्मों को बॉक्स ऑफिस पर मात दी है. इस फिल्म का कलेक्शन बेहद शानदार है. हालांकि अब ऋतिक रोशन स्टारर फाइटर की रिलीज के बाद से 'हनु मान' की टिकट खिड?ी पर पकड़ कमजोर होती जा रही है और इसी के साथ इस फिल्म की कमाई में भी भारी गिरावट आ रही है. 'हनु मान' की कारोबार की बात करें तो फिल्म ने पहले हफ्ते में 99.85 करोड़ का कलेक्शन किया था. वहीं दूसरे हफ्ते फिल्म ने 58.65 करोड़ का कारोबार किया है. तीसरे हफ्ते के थर्ड मंडे को 'हनु मान' ने महज 2.05 करोड़ का कलेक्शन किया. वहीं अब इस फिल्म की रिलीज के 19वें दिन की कमाई के शुरुआती आंकड़े आ गए हैं. रिपोर्ट के मुताबिक 'हनु मान' ने रिलीज के 19वें दिन यानी तीसरे मंगलवार को 2 करोड़ की कमाई की है. इसी के साथ 'हनु मान' की 19 दिनों की कुल कमाई अब 176.75 करोड़ हो गया है. 'हनु मान' ने घरेलू बाजार में 170 करोड़ से ज्यादा की कमाई कर ली है. अब ये फिल्म 200 करोड़ का आंकड़ा छूने की ओर बढ़ रही है. इन सबके बीच फिल्म ने वर्ल्डवाइड भी शानदार कलेक्शन कर लिया है. 'हनु मान' की दुनियाभर में कमाई की बात करें तो 21.35 करोड़ के कलेक्शन के साथ ओपनिंग करने वाली इस फिल्म ने रिलीज के 18 दिनों में वर्ल्डवाइड 272.78 करोड़ का कलेक्शन कर लिया है. 'हनु मान' तेलुगु की पहली सुपरहीरो फिल्म है. इस फिल्म की स्टार कास्ट की बात करें तो इसमें तेजा सज्जा, विनय राय, गेटअप श्रीनू, कौशिक महता, वेनेला किशोर, सत्या, राज दीपक शेट्टी और भानु प्रकाश सहित कई कलाकारों ने अहम रोल प्ले किया है. ये फिल्म तमिल, तेलुगु, कन्नड़, हिंदी, मलयालम सहित कई भाषाओं में रिलीज हुई थी.

तमन्ना भाटिया वेब सीरीज में आएंगी नजर

दक्षिण भारतीय सिनेमा से लेकर बॉलीवुड तक अपनी पहचान बनाने वाली अभिनेत्री तमन्ना भाटिया अक्सर ही सुर्खियों में रहती हैं।अब अभिनेत्री ने करण जौहर के प्रोडक्शन हाउस धर्मा प्रोडक्शंस की डिजिटल सहायक कंपनी धर्माटिक एंटरटेनमेंट के साथ सहयोग किया है।वह अमेजन प्राइम वीडियो पर दस्तक देने वाली एक कॉमेडी और ड्रामे से भरपूर वेब सीरीज में नजर आने वाली हैं, जिसका नाम अभी सामने नहीं आया है।इस सीरीज का निर्देशन डॉ अरोड़ा फेम निर्देशक अर्चित कुमार करेंगे।

रिपोर्ट के अनुसार, इस शो को एक स्टार्टअप ड्रामा के रूप में दिखाया जाएगा, जिसमें 2 महिलाओं की कहानी होगी जो उद्यमशीलता का मार्ग तलाशती हैं। इसमें मुख्य भूमिका तमन्ना निभाएंगी तो दूसरी अभिनेत्री की तलाश जारी है।कहा जा रहा है कि धर्माटिक एंटरटेनमेंट अपनी इस सीरीज से पहले निर्देशक अर्चित के साथ सीरीज शोटाइम लेकर आएगा, जिसका फिलहाल प्री-प्रोडक्शन चल रहा है। मार्च के मध्य या अप्रैल की शुरुआत में इसकी शूटिंग शुरू हो जाएगी।

बिना शीर्षक वाली अपनी इस सीरीज के साथ ही धर्माटिक एंटरटेनमेंट ने अमेजन प्राइम वीडियो के साथ तीसरी बार सहयोग किया है।इससे पहले सारा अली खान अभिनीत फिल्म ऐ वतन मेरे वतन और अनन्या पांडे के नेतृत्व वाली सीरीज कॉल मी बे के लिए दोनों ने हाथ मिलाया है। ये दोनों ही प्रोजेक्ट इस साल रिलीज होंगे।इसके अलावा तमन्ना की जी करदा, आखिरी सच और लस्ट स्टोरी के बाद यह चौथी वेब सीरीज होगी।

तमन्ना की झोली में इस वेब सीरीज के अलावा 3 और फिल्में शामिल हैं।वह तमिल हॉरर कॉमेडी अरणमनई 4 का हिस्सा हैं, जिसमें राशि खन्ना और सुंदर भी मुख्य भूमिका में नजर आएंगे।तमन्ना फिल्म बोले चूडियां में भी दिखाई देंगी, जिसका निर्देशन शमास नवाब सिद्दीकी ने किया है। इस फिल्म में नवाजुद्दीन सिद्दीकी और राजपाल यादव शामिल हैं।इसके अलावा वह जॉन अब्राहम, अभिषेक बनर्जी और शरवरी वाघ के साथ फिल्म वेदा का भी हिस्सा हैं।

धर्माटिक एंटरटेनमेंट कृतिका कामरा, धैर्य करवा और राघव जुयाल के साथ वेब सीरीज ग्यारह ग्यारह लेकर आएगा, जो जी5 पर रिलीज होगी।फिल्म ऐ वतन मेरे वतन का ट्रेलर अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस यानी 8 मार्च को जारी होने के बाद 22 मार्च को यह अमेजन प्राइम वीडियो पर आएगी।इसके अलावा नेटफ्लिक्स पर फैबुलस लाइव्स ऑफ बॉलीवुड वाइव्स का तीसरा सीजन आएगा तो शोटाइम मार्च के बाद रिलीज होगी। कॉल मी बे की रिलीज तारीख का ऐलान नहीं हुआ है।(आरएनएस)

सतीश कौशिक की मचअवेटेड फिल्म मिर्ग का ट्रेलर रिलीज

सतीश कौशिक की फिल्म मिर्ग का मचअवेटेड ट्रेलर रिलीज हो गया है। इस ट्रेलर को देखकर साफ है कि फिल्म की कहानी चुनाव के इर्द-गिर्द घूमती नजर दिख रही है। इसमें चुनावी माहौल और जीतने के लिए किस तरह के हथकंडे लोग अपनाते है ये दिखाया गया है। मिर्ग का ये जोरदार ट्रेलर रिलीज होते ही मिनटों में वायरल हो गया।

इस फिल्म के ट्रेलर में दिखाया गया है कि राज बब्बर एक राजनेता है। इलेक्शन को जीतने के लिए वो साम दाम दंड भेद की पॉलिसी को अपनाते हैं। फिल्म में अखाड़ा से लेकर जनता के बीच खौफ को बनाए रखने के लिए क्या क्या किया जाता है वो भी दिखाया गया है।

मिर्ग में सतीश कौशिक अलग लुक में नजर आए। फिल्म के ट्रेलर में सतीश कभी हाथ में बंदूक पकड़े नजर आए तो कभी ताबड़तोड़ गोलीबारी करते दिखे। इसमें सतीश कौशिक के अलावा कई सितारे नजर आए। जिसमें राज बब्बर, अनूप सोनी, और श्वेताभ सिंह हैं। इस ट्रेलर को फिल्म क्रिटिक तरण आदर्श ने रिलीज किया है। 9 फरवरी एक रिवेंज ड्रामा। सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

आपको बता दें, निधन से पहले सतीश कौशिक कई फिल्मों की शूटिंग कर रहे थे तो कुछ की शूटिंग पूरी हो गई थी। इसी में से एक फिल्म मिर्ग का ट्रेलर मौत के कई महीनों बाद रिलीज हुआ।

सतीश कौशिक का निधन बीते साल 9 मार्च को दिल का दौरा पडने की वजह से हुआ था। सतीश अपने पीछे 10 साल की बेटी वंशिका और वाइफ को छोडकर गए थे। सतीश कौशिक की निधन की खबर ने उस वक्त सभी को हैरान कर दिया था।

मौनी रॉय ने फिर बढ़ाया इंटरनेट का पारा

टीवी से लेकर बॉलीवुड में अपनी एक्टिंग का जलवा दिखा चुकी मौनी रॉय अपने स्टाइलिश और फैशनेबल अवतार के लिए जानी जाती हैं। इंटरनेट पर मौनी का अक्सर ग्लैमरस लुक वायरल रहता है। एक बार फिर मौनी रॉय अपने स्टाइलिश अवतार से इंटरनेट पर कहर ढा रही है।

मौनी रॉय के स्टाइलिश लुक की बात करें तो मौनी रॉय ब्लैक और व्हाइट ड्रेस में बेहद ग्लैमरस लग रही हैं। डीप नेकलाइन ड्रेस में मौनी रॉय अपना फिगर फ्लॉन्ट कर रही हैं। इंटरनेट पर उनके इस अवतार को काफी पसंद किया जा रहा है। मौनी ने ने अपना लेटेस्ट लुक इंस्टाग्राम पर शेयर किया है।

मौनी रॉय ने अपने इस लुक को खास बनाने के लिए लाइट मेकअप कैरी किया हुआ है। लाइट शेड लिपस्टिक में मौनी रॉय बेहद स्टनिंग लग रही हैं। सोशल मीडिया पर मौनी के फैंस उनके इस अवतार को काफी पसंद कर रहे हैं।

मौनी रॉय टीवी जगत से लेकर फिल्मों में अपनी एक्टिंग का जलवा दिखा चुकी हैं। मौनी रॉय कई हिट सीरियल में काम कर चुकी हैं लेकिन उन्हें फेम एकता कपूर के सीरियल नागिन से मिला है। इसके बाद उन्होंने बॉलीवुड फिल्मों में काम करना शुरू किया। (आरएनएस)

अमेरिका जवाब देगा या अनदेखी करेगा?

श्रुति व्यास

अमेरिका निशाने पर आने लगा है। उसकी थलसेना के सैनिकों पर हवाई हमला हुआ है! इजराइल-हमास लड़ाई के चौथे महीने में ऐसा लग रहा है कि अमेरिका भी लड़ाई में घसीट लिया जाएगा। गत 28 जनवरी को ईरान-समर्थित गुटों द्वारा ड्रोन और मिसाइलों से किये गए हमले में जॉर्डन में तीन अमरीकी सैनिक मारे गए और 34 घायल हुए।लड़ाई की शुरुआत से ही अमेरिका इन समूहों के निशाने पर था और अब तो मध्यपूर्व में इनके कम से कम 16० ठिकानों पर अमेरिका गोलीबारी कर चुका है। अट्ठाईस जनवरी की घटना कोरियाई लड़ाई के बाद से अमेरिका की थलसेना पर पहला जानलेवा हवाई हमला है।

इन हमलों पर राष्ट्रपति जो बाइडन की प्रतिक्रिया अब तक सावधानीपूर्ण रही है। बावजूद इसके कि उन पर रिपब्लिकनों का जबरदस्त दवाब है, जो चाहते हैं कि ईरान के खिलाफ सख्त कार्यवाही की जाए। मगर बाइडन ने कभी ऐसा करने का वायदा नहीं किया। उन्होंने उन अधिकांश हमलों को नज़रअंदाज़ किया जिन्हें सफलतापूर्वक रास्ते में ही रोक लिया गया या जिनसे कुछ भी नुकसान नहीं हुआ या बहुत कम नुकसान हुआ। जो हमले ज्यादा गंभीर थे, उनके मामले में राष्ट्रपति ने सीमित जवाबी कार्यवाही की अनुमति दी। ऐसे कार्यवाहियों में लाल सागर में जहाजों पर हमले करने वाले यमन के हूतियों के खिलाफ कार्यवाही शामिल है। इनमें भी मुख्यतः इमारतों, हथियारों और अधोसंरचना को निशाना बनाया गया। बाइडन अब तक ईरान-समर्थित हूती समूह, जो यमन के बड़े इलाके पर राज करता है, पर नौ बार हमले करवा चुके हैं।बावजूद इसके लाल सागर में मची अफरातफरी खत्म होने का नाम नहीं ले रही है।

मगर 28 जनवरी के हमले को वे नजरअंदाज नहीं कर सकते। बाइडन ने साफ़ नहीं किया कि अब उनका इरादा क्या है मगर उसी अंदाज में जवाब देने की बात उन्होंने ज़रूर कही। एक बयान में उन्होंने कहा, "जिन तीन अमेरिकी सैनिकों को हमने खोया है, वे उच्चतम दर्जे के देशभक्त थे। हम उनके गौरव और उनकी वीरता की बराबरी करने की कोशिश करेंगे। हम आतंकवाद से लडने की उनकी प्रतिबद्धता को आगे ले जाएंगे। और इसमें कोई संदेह नहीं कि अपनी पसंद के तरीके से और अपने पसंद के समय पर, हम उन लोगों का हिसाब करेंगे जो इसके लिए ज़िम्मेदार हैं।"

जॉर्डन में अमरीकी सैनिकों की मौत ने रिपब्लिकनों को बाइडन पर हमलावर होने का मौका दिया है। उनका कहना है कि चूँकि बाइडन ने पिछले तीन महीनों में जबरदस्त हमले की इज़ाज़त नहीं दी इसलिए ईरान और उसके पिट्ठू समूहों को लगने लगा कि वे कुछ भी कर सकते हैं। इस बीच, डोनाल्ड ट्रम्प, जो बाइडन को हराकर अपना पुराना काम वापस पाने के राह पर हैं, ने इतवार को मीडिया से कहा कि, "अगर मैं राष्ट्रपति होता तो यह हमला होता ही नहीं। बिलकुल नहीं।" हालाँकि तथ्य यह है कि ट्रम्प के राष्ट्रपति के रूप में कार्यकाल के दौरान भी ईरान और उससे जुड़े समूहों ने अमेरिका और उसके मित्र देशों पर हमले किये थे और एक मौके पर ट्रम्प ने बदले की कार्यवाही को रोक दिया था क्योंकि उन्हें लगा कि वह ज़रुरत से ज्यादा कड़ी थी। बाद में उन्होंने एक हमले का आदेश दिया था जिसमें एक शीर्ष ईरानी जनरल मारा गया था मगर जब इसके बाद ईरान ने मिसाइल हमले किये, जिनमें अमेरिकी सैनिक घायल हुए (हालाँकि उनमें से कोई मारा नहीं गया), तब ट्रम्प ने जवाबी कार्यवाही की अनुमति नहीं दी।

जो बाइडन दुविधा में हैं।लड़ाई तेज होता जा रहा है, कई इजराइली अब भी हमास के कब्ज़े में है और गाजा में हालात गंभीर होते जा रहे हैं। अमेरिकी मीडिया में आ रही ख़बरों से ऐसा लगता है कि जवाबी सैन्य कार्यवाही अपरिहार्य बन गयी है। मगर सवाल यह है कि जो बाइडन कहाँ तक जाना चाहेंगे, विशेषकर इसलिए क्योंकि जल्द ही उन्हें डोनाल्ड ट्रम्प के खिलाफ चुनावी समर में कूदना है।अमेरिका ने ईरान की ज़मीन पर 198० के बाद से अब तक कोई सैन्य कार्यवाही नहीं की है। और तब भी बंदियों को छुड़ाने का प्रयास असफल हो गया था। सन 1988 के बाद से अब तक, अमेरिका ने ईराक और सीरिया के अलावा कहीं भी ईरानी सेना पर हमले नहीं किये हैं। सन 1988 में उसने ईरानी नेवी पर हमला किया था। अगर ईरान के खिलाफ सीधा लड़ाई होता है तो उससे तेल की कीमतों में भारी इज़ाफा अवश्यम्भावी है, विशेषकर अगर फारस की खाड़ी से जहाजों की आवाजाही बंद हो जाती है या ईरान, सऊदी अरब के तेल प्रतिष्ठानों पर हमला करता है। ब्रेंट क्रूड आयल की कीमत पहले ही बढ़ रही है। एक बैरल की कीमत दिसंबर की शुरुआत में 73 डॉलर थी जो 26 जनवरी को 84 डॉलर तक पहुँच गयी थी। अगर यह और बढ़ती है तो उसका असर अमेरिका के पेट्रोल पंपों से बेचे जाने वाले ईंधन पर पड़ेगा और चुनावी साल में बाइडन बिलकुल नहीं चाहेंगे कि ऐसा हो।

जहाँ तक ईरान का सवाल है, वह चाहेगा कि मध्यपूर्व में लड़ाई का क्षेत्र और विस्तृत हो मगर अमेरिका से सीधे भिडने में वह परहेज ही करेंगे। उसे मालूम है कि इसके बहुत नुकसानदायक नतीजे हो सकते हैं। अभी कुछ समय पहले तक अमेरिकी अधिकारियों को लग रहा था कि ईरान शायद उसके द्वारा समर्थित समूहों पर लगाम लगाएगा। मगर जॉर्डन पर हमले से यह कयास गलत साबित हो गए हैं।

बाइडन दबाव में हैं। उनकी रेटिंग गिर रही हैं। हाल में हुए एक गैलप पोल से जाहिर हुआ है कि केवल 41 प्रतिशत अमेरिकी राष्ट्रपति के रूप में उनके निर्णयों को सही मानते है। इतनी कम रेटिंग इससे पहले केवल एक अन्य अमेरिकी राष्ट्रपति की थी। अट्ठाईस जनवरी के हमले की बाद बाइडन को निश्चित ही बड़ा हमला करना होगा। और यह हमला तब होगा जब अमेरिका इजराइल-हमास लड़ाई में अस्थाई विराम लाने के लिए मध्यस्थता करने का इच्छुक है। उसे यह उम्मीद भी थी कि बंधकों की रिहाई के मसले में वह कोई समझौता करा सकेगा जिससे या तो लड़ाई ख़त्म हो जायेगा या उसकी तीव्रता इतनी घट जाएगी कि उससे दूसरे स्थानों में तनाव नहीं बढेगा। बाइडन चाहते थे कि वे शांति के माहौल में चुनाव लड़ सकें। मगर शायद इसका उल्टा होने जा रहा है।

सू- दोकू क्र. 68

	2		6		8		3	
9		8		3		4		
							5	
5		2			7		6	
	8		4			1		3
				9				
8			9				1	
	5			1		6		2
		1	7				4	

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.67 का हल

2	6	3	8	1	4	9	7	5
9	5	4	2	6	7	3	1	8
8	7	1	9	3	5		6	2
6	2	7	5	4	8	4	3	9
3	9	8	6	7	1	2	5	4
4	1	5	3	2	9	6	8	7
5	3	2	4	8	6	7	9	1
1	8	6	7	9	2	5	4	3
7	4	9	1	5	3	8	2	6

लोकसभा के पहले प्रदेश में भी दलबदल

देवदत्त दुबे

जब भी चुनाव आते हैं तब राजनीतिक दलों में दलबदल तेज हो जाता है। पिछले विधानसभा के चुनाव के दौरान भी बेधडक दलबदल हुआ था और अब लोकसभा चुनाव के पहले एक बार फिर दलबदल की आहट सुनाई देने लगी है। हालांकि इस बार भाजपा से किसी दूसरे दल में जाने वाले कहीं दिखाई नहीं दे रहे लेकिन अन्य दलों से भाजपा में आने के लिए जरूर बातचीत चल रही है लेकिन कुछ बीजेपी में आए लोगों का हश्र देखकर और कुछ स्थानीय भाजपा नेताओं का विरोध दलबदल की राह में गति अवरोधक बना हुआ है।

दरअसल, अब देश की राजनीति में दलबदल कोई ऐसा मुद्दा नहीं रहा जिससे कि शर्मिंदगी महसूस हो जिस तरह से राष्ट्रीय राजनीति में नीतेश कुमार ने दलबदल का परिणाम हर बार मुख्यमंत्री बनकर दिखाया है उससे अब वे राजनीतिज्ञ जो लंबा संघर्ष नहीं करना चाहते जो विपक्ष की बजाय सत्ता पक्ष की राजनीति करने में विश्वास रखते हैं वह जरूर इस समय भाजपा में एंट्री करने के दरवाजे तलाश रहे हैं और कुछ विपक्षी नेताओं को भाजपा के नेता ही ऑफर देकर भाजपा में बुला रहे हैं जिससे कि पार्टी के अंदर गुटबाजी के कारण पार्टी के नेताओं को स्थानीय स्तर पर कमजोर करने के लिए विरोधी दल के नेताओं को पार्टी में आमंत्रित कर रहे हैं। विधानसभा चुनाव के बाद पंचायत और नगर निगमों के जनप्रतिनिधि भाजपा ज्वाइन कर चुके हैं और कुछ महापौर और कुछ जिला पंचायत अध्यक्ष भाजपा ज्वाइन करने की राह पर है।

बहरहाल, मंगलवार को विभिन्न सडक परियोजनाओं का लोकार्पण एवं भूमिपूजन कार्यक्रम के दौरान जबलपुर में केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी की उपस्थिति में मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव ने कांग्रेस विधायक विधायक ओंकार सिंह मरकाम को जिस तरह से पार्टी में आने का ऑफर दिया उनसे कहा कि वह गलत पटरी पर बैठे हैं। मुख्यमंत्री जब ऐसा कह रहे थे तब विधायक ओमकार सिंह मरकाम हाथ जोड़ खड़े हुए और मुस्कुराते रहे। हालांकि बाद में उन्होंने इन सब बातों को बेबुनियाद बताया लेकिन पार्टी में विभिन्न अंचलों में विभिन्न स्तर पर स्थानीय समीकरणों के हिसाब से दलबदल को हवा दी जा रही है और इस दल बादल में कांग्रेस के साथ-साथ बसपा, सपा और आप के नेताओं को भी अपने नेताओं को संभालना मुश्किल हो सकता है क्योंकि भाजपा जिस तरह से हारी हुई बाजी भी जीत रही है उस अन्य दलों के नेताओं का मनोबल टूट रहा है और वे विपक्ष में रहकर संघर्ष करने की बजाय सत्ताधारी दल के साथ जुडकर राजनीति करने में समझदारी समझ रहे हैं। कुल मिलाकर प्रदेश की राजनीति में एक बार फिर दलबदल का दौर आने वाला है हवा में वैसे तो कुछ बड़े नाम भी चल रहे हैं लेकिन स्थानीय स्तर पर समीकरणों के हिसाब से दल बदल किया जा सकता है।

चंडीगढ़ में जो हुआ

सरसरी तौर पर जो हालात दिखते हैं, उनको लेकर संदेह खड़ा हुआ है। मेयर के चुनाव में इंडिया गठबंधन की जीत तय मानी गई थी। लेकिन कांग्रेस और आम आदमी पार्टी (आप) के साथ आने के बाद से जैसी घटनाएं हुईं, उन्होंने सारे प्रकरण को संदिग्ध बना दिया है।

चंडीगढ़ के मेयर के चुनाव का विवाद अब न्यायपालिका के दायरे में है। अब पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट इस पर फैसला देगा कि क्या पीठासीन अधिकारी ने आठ वोटों को गलत ढंग से अवैध करार देकर भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार को विजयी घोषित किया। बहरहाल, इस तरह का विवाद उठा, यही बड़ी चिंता की बात है। सरसरी तौर पर जो हालात दिखते हैं, उनको लेकर संदेह खड़ा हुआ है। नगर परिषद में इंडिया गठबंधन (आम आदमी पार्टी+ कांग्रेस) के 2० सदस्य हैं और भाजपा+ अकाली दल के 16. ऐसे में इंडिया गठबंधन की जीत तय मानी गई थी। लेकिन कांग्रेस और आम आदमी पार्टी (आप) के साथ आने के बाद से जैसी घटनाएं हुईं, उन्होंने संदेह को जन्म दिया। पहले तो भाजपा के पदाधिकारी रह चुके एक व्यक्ति को पीठासीन अधिकारी बनाया गया। फिर 18 जनवरी को उस पीठासीन अधिकारी ने खुद के बीमार होने की बात कह कर अचानक चुनाव टाल दिया। आप और कांग्रेस का आरोप है कि सोमवार को उनके आठ पार्षदों के वोट पर खुद पीठासीन अधिकारी ने अतिरिक्त निशान बनाकर उन्हें अवैध करने का आधार बनाया।

दोनों पार्टियों का दावा है कि यह सारी गतिविधि कैमरे में कैद है। ये दावे कितने ठोस हैं, इस पर कोर्ट के निर्णय का इंतजार रहेगा। लेकिन चुनाव प्रक्रिया को लेकर भारत में जिस तरह संदेह का वातावरण गहरा रहा है, वह चिंताजनक है। कुछ ही पहले यह सामने आया है कि चुनावों के लिए इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन बनाने वाली कंपनी बीईएल के निदेशक मंडल में चार भाजपा पदाधिकारियों को नियुक्त कर दिया गया है। इससे यह वाजिब सवाल उठा है कि जिस कंपनी की कार्य-प्रणाली में सर्वोच्च पारदर्शिता और निष्पक्षता जरूरी है, वहां किसी पार्टी विशेष के पदाधिकारी निदेशक कैसे रह सकते हैं? निर्वाचन आयोग में नियुक्तियों और इलेक्ट्रॉल बॉन्ड जैसे मुद्दों के कारण पहले ही चुनाव प्रक्रिया की निष्पक्षता पर अनेक गंभीर सवाल उठ चुके हैं। ऐसा लगता है कि वर्तमान केंद्र सत्ता पक्ष की रुचि इन सवालों का उत्तर देने में नहीं, बल्कि इन्हें और संदिग्ध बनाने में है। लेकिन लोकतंत्र के लिए यह खतरनाक नजरिया है।(आरएनएस)

मातृ-शक्ति को समर्पित कार्यक्रम में अल्मोड़ा पहुंचे सीएम धामी

कार्यालय संवाददाता

अल्मोडा। आज मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी मातृ-शक्ति को समर्पित 'दीदी-भुलि हाथ लगाल, उत्तराखण्ड हौल अमृत काल' कार्यक्रम में पहुंचे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने आर्मी हेलीपैड से शिखर होटल अल्मोड़ा तक विशाल रोड शो में प्रतिभाग किया। अल्मोड़ा पहुंचने पर स्थानीय भाजपा पदाधिकारियों ने पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत किया।

इस दौरान रोड शो में हजारों की संख्या में अल्मोड़ा कि जनता ने जय श्री राम के जयकारों के साथ पुष्प वर्षा कर मुख्यमंत्री का स्वागत किया। रोड़ शो के दौरान मुख्यमंत्री के साथ सांसद अजय टम्टा, विधायक सुरेश गडियां, विधायक मोहन सिंह मेहरा, प्रदेश उपाध्यक्ष भाजपा कैलाश शर्मा, जिलाध्यक्ष भाजपा रमेश बहुगुणा, जिलाध्यक्ष भाजपा रानीखेत श्रीमती लीला बिष्ट भी मौजूद रहे।

अमेरिका में भारतीय मूल के एक शख्स की हत्या !

वाशिंगटन। अमेरिका में भारतीय छात्रों पर लगातार हमले हो रहे हैं। अब एक 41 वर्षीय भारतीय मूल के शख्स पर जानलेवा हमला हुआ, जिसमें उनकी मौत हो गई। बताया जा रहा है कि वर्जीनिया के रहने वाले विवेक तनेजा टू सिस्टर नाम के जापानी रेस्टोरेंट में थे।

वाशिंगटन पोस्ट ने पुलिस रिपोर्ट का हवाला देते हुए बताया है कि टेक कंपनी के कोफाउंडर विवेक तनेजा रात 2 बजे एक जापानी रेस्टोरेंट से बाहर आ रहे थे। इस दौरान कुछ बदमाशों ने सड़क पर ही उन पर हमला कर दिया। इस घटना की जानकारी होते ही विवेक तनेजा को अस्पताल ले जाया गया। उस वक्त वह बेहोशी की हालत में थे लेकिन अस्पताल में इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। घटना के बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर सीसीटीवी फुटेज खंगलाने शुरू कर दिए हैं। बताया जा रहा है कि अभी तक पुलिस यह पहचान नहीं कर पाई है कि विवेक तनेजा पर किसने जानलेवा हमला किया था।

सूचना और प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर ने पहनी 'नमो हैट्रिक' लिखी टी-शर्ट

नई दिल्ली। सूचना और प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर शनिवार को नमो हैट्रिक' की टी-शर्ट पहने दिखाई दिए जिसके बाद उनकी तस्वीर सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर तेजी से वायरल हो रही है। अनुराग ठाकुर ने कहा कि आज मैंने नमो हैट्रिक' टी-शर्ट पहनी है। ये टी-शर्ट प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत की प्रगति और विकास का प्रतीक है। कई लोगों ने अनुराग ठाकुर की इस तस्वीर पर प्रतिक्रिया दी. कुछ लोगों ने ठाकुर की तारीफ की है, जबकि कुछ लोगों ने इस पर सवाल भी उठाए।

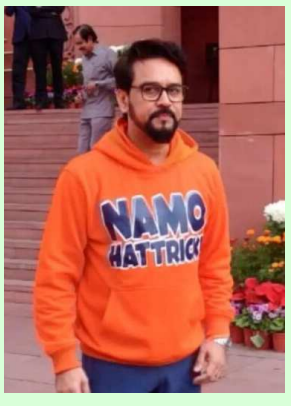

हल्द्वानी हिंसा की मजिस्ट्रेट जांच के..

◀◀ पृष्ठ 1 का शेष

कहना है कि फिलहाल क्षेत्र में शांति है प्रभावित क्षेत्र में चार कंपनी पैरा मिलिट्री फोर्स की तैनाती की गई है। अधिकारियों का कहना है कि संपत्तियों को जो भी नुकसान हुआ है उसकी भरपाई दंगाइयों से की जाएगी। हिंसा के किसी भी आरोपी को बक्शा नहीं जाएगा। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा अधिकारियों को दिए गए सख्त निर्देशों के बाद प्रशासन अब पूरी तरह से सख्त एक्शन के मोड में है।

हल्द्वानी घटना पर राज्यपाल से की हस्तक्षेप करने की मांग

संवाददाता

देहरादून। इंडिया एलाइंस व सिविल सोसाइटी के शिष्टमंडल ने राज्यपाल से भेंट कर हल्द्वानी की घटना पर दुख व्यक्त करते हुए राज्यपाल को हस्तक्षेप करने की मांग की।

आज यहां इंडिया एलाइंस और सिविल सोसाइटी के उच्च स्तरीय शिष्टमंडल ने कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष करन महारा के नेतृत्व में हल्द्वानी की बनभूलपुरा में हुई हिंसक घटना के संबंध में उत्तराखंड के राज्यपाल से राजभवन में मुलाकात की। मुलाकात के दौरान कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष करन महारा जोकि बीते रोज हल्द्वानी घटनास्थल पर स्वयं होकर वस्तुस्थिति का जायजा लेकर आएं हैं, ग्राउंड जीरो की स्थितियों और परिस्थितियों से उन्होंने राज्यपाल को अवगत कराया। इंडिया गठबधन और सिविल सोसाइटी के साथियों की ओर से महारा ने राज्यपाल से प्रदेश

में शांति और सद्भावना स्थापित करने हेतु हस्तक्षेप करने की मांग की। मुलाकात करने वालों में उपाध्यक्ष संगठन प्रशासन मथुरादत्त जोशी, मुख्य प्रवक्ता गरीमा माहरा दसौनी, महामंत्री याकूब सिद्दीकी, महानगर अध्यक्ष डा०जसविंदर गोगी, पूर्व महानगर अध्यक्ष लालचंद शर्मा, राजनेतिक सलाहकार अमरजीत सिंह, प्रदेश प्रवक्ता शीशपाल सिंह बिष्ट, सपा के राष्ट्रीय सचिव एस एन सचान, सीपीआई के समर भण्डारी, सीपीएम के राजेन्द्र सिंह नेगी, और सुरेन्द्र सिंह सजवाण, इंसानियत मंच के रवि चौपडा, वरिष्ठ पत्रकार त्रिलोचन भटट, सीपीएम माले के इन्द्रेश मेखुरी, आम आदमी पार्टी से रविन्द्र सिंह आनन्द, महिला मंच से कमला पंत और सर्वोदय नेता हरबीर सिंह कुश्वाह आदि शामिल थे।

तमंचा व कारतूस के साथ दो गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने तमंचा व कारतूसों के साथ दो लोगों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार रानीपोखरी थाना पुलिस नेा जाखन नदी से सूर्यधार रोड की ओर जाने वाले रास्ते पर दो लोगों को संदिग्ध अवस्था में घुमते हुए देखा तो उनको रूकने का इशारा किया। पुलिस को देख वह भाग खडे हुए। पुलिस ने पीछा कर उनको थोडी दूरी पर ही दबोच लिया। तलाशी लेने पर पुलिस ने उनके कब्जे से एक तमंचा, पांच कारतूस व एक खुखरी बरामद कर ली। पूछताछ में उन्होंने अपने नाम क्रांता पुत्र मौसम नाथ महन्त नाथ पुत्र कल्लू नाथ निवासी घुसीपुरा सपेरा बस्ती पथरी हरिद्वार बताया। पुलिस ने दोनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उनको न्यायालय में पेश किया जहां से उनको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

महंत देवेन्द्र दास के प्रकोटोत्सव पर रक्तदान शिविर का आयोजन

संवाददाता

देहरादून। दरबार साहिब के महंत देवेन्द्र दास महाराज के प्रकाटोत्सव पर रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया।

आज महंत देवेंद्र दास महाराज के प्रकटोत्सव दिवस के शुभ अवसर पर दरबार साहिब में भव्य स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन, महंत देवेंद्र दास महाराज द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। श्री महाकाल सेवा समिति द्वारा आयोजित 17 वां रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया जिसमें 65 युनिट रक्त एकत्रित कर श्रीमहंत इंद्रेश अस्पताल ब्लड बैंक में जमा करा गया, जिसमें पूर्व मेयर सुनील उनियाल गामा, सारस्वत उनियाल, भाजपा महानगर विशाल गुप्ता, पवन त्रिपाठी, संजय गर्ग, अनिल गोयल, विक्की गोसल, अनील गुप्ता, लालचंद शर्मा, बालकिशन शर्मा, संजीव गुप्ता, आलोक जैन, नितिन अग्रवाल, विशाल तनेजा, गौरव जैन, हेमराज, राहुल माटा, कृतिका राणा, अनुष्का राणा शामिल रहे। शिविर के उपरांत महंत देवेंद्र दास ने समिति के सदस्यों को राम दरबार का मोमेंटो देकर सम्मानित किया।

एक किलो स्मैक सहित बरेली के दो तस्कर दबोचे

हमारे संवाददाता

देहरादून। नशे के खिलाफ बड़ी कार्यवाही करते हुए एसटीएफ की एएनटीएफ टीम द्वारा बरेली के दो बड़े नशा तस्करों को गिरफ्तार कर लिया गया है। जिनके कब्जे से एक किलो छह ग्राम स्मैक बरामद की गयी है।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक एसटीएफ आयुष अग्रवाल द्वारा जानकारी देते हुए बताया गया कि बीते रोज एस.टी.एफ की एएनटीएफ टीम द्वारा एक सूचना के बाद थाना खटीमा पुलिस को साथ लेकर कार्रवाई करते हुए जनपद उधम सिंह नगर के थाना खटीमा क्षेत्राअंतर्गत 2 अंतरराज्यीय ड्रग्स तस्करों को गिरफ्तार किया गया है। जिनके कब्जे से करीब 1 किग्रा 6 ग्राम स्मैक की बरामदगी की गयी। बताया कि गिरफ्तार आरोपी पिछले कई सालों से उत्तराखंड में स्मैक की सप्लाई कर रहे थे। गिरफ्तार आरोपियों

ने पूछताछ में अपना नाम सगीर अहमद पुत्र कल्लू खां, निवासी ग्राम महोलिया थाना अलीगंज जनपद बरेली, उत्तर प्रदेश व बाबू पुत्र मुनव्वर, निवासी ग्राम महोलिया थाना अलीगंज जनपद बरेली, उत्तर प्रदेश बताया। बताया कि उन्हें यह स्मैक बरेली से खरीद कर खटीमा में नेपाल की एक पार्टी को बेचना था। नशे के इस नेटवर्क पर एसटीएफ की कुमायूँ टीम एक माह से काम कर रही थी।

गिरफ्तार तस्कर बरेली में अलीगंज के रहने वाले हैं और लम्बे समय से ड्रग की तस्करी कर रहे थे इनके द्वारा बरामद ड्रग बरेली के ही एक बड़े ड्रग डीलर से लायी गयी है जिसकी पूरी जानकारी टीम द्वारा जुटा ली गयी है। जिन पर एसटीएफ आगे कार्य करेगी। एस.टी. एफ. द्वारा गिरफ्तार तस्करों के खिलाफ थाना खटीमा जनपद उधम सिंह नगर में एनडीपीएस की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर उन्हे न्यायालय में पेश कर दिया गया है।

एक नजर

आर्यन खान केसः ईडी ने समीर वानखेड़े के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग का मामला दर्ज किया

नई दिल्ली। मुंबई के नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो के पूर्व जोनल डायरेक्टर समीर वानखेड़े अब खुद मुश्किल में फंस गए हैं। ईडी ने अधिकारी समीर वानखेड़े के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। समीर वानखेड़े ने शनिवार को कहा कि प्रवर्तन निदेशालय द्वारा उनके खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग का मामला दर्ज किए जाने के बाद उन्हें न्यायपालिका पर पूरा भरोसा है। प्रवर्तन निदेशालय ने सीबीआई की एफआईआर को स्वीकार करते हुए मामला शुरू किया है, जिसमें समीर वानखेड़े द्वारा सुपरस्टार शाहरुख खान के परिवार से उनके बेटे को ड्रग्स मामले में छोड़ने के लिए 25 करोड़ रुपये की रिश्वत की मांग का आरोप लगाया गया है। वानखेड़े ने आश्चर्य व्यक्त किया कि ईडी की प्रवर्तन मामला सूचना रिपोर्ट (ईसीआईआर) सीबीआई की एफआईआर पर आधारित है, जो वर्तमान में बॉम्बे उच्च न्यायालय के समक्ष सवालों के घेरे में है। मामला विचाराधीन होने के कारण उन्होंने आगे कोई टिप्पणी करने से परहेज किया और कहा कि वह सही समय पर अदालत में उचित जवाब देंगे। अधिकारियों ने शनिवार को कहा कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मुंबई के नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) के पूर्व जोनल निदेशक समीर वानखेड़े के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग का मामला दर्ज किया है।

बता दें पिछले साल, सीबीआई ने बॉलीवुड अभिनेता शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान को ड्रग्स-ऑन-क्राइम मामले में फंसाने के लिए कथित तौर पर 25 करोड़ रुपये की रिश्वत मांगने के लिए वानखेड़े पर मामला दर्ज किया था।

मिथुन चक्रवर्ती की तबीयत बिगड़ी, अस्पताल में भर्ती

मुंबई। बॉलीवुड के मशहूर अभिनेता मिथुन चक्रवर्ती को लेकर बड़ी खबर आ रही है। रिपोर्ट्स के अनुसार 73 साल के एक्टर के सीने में दर्द उठा है, जिसकी वजह से उन्हें अस्पताल की आपातकालीन यूनिट में भर्ती कराया गया है। मिथुन का इलाज चल रहा है, हालांकि अभी इस मामले में ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है। एक्टर के हेल्थ अपडेट का हर किसी को इंतजार है। मिथुन के फैंस उनके लिए जल्द ठीक होने की दुआ कर रहे हैं। बता दें कि अभी तक एक्टर के परिवार की तरफ से इस पर कोई बयान सामने नहीं आया है। मिथुन को लेकर उनके एक करीबी का कहना है कि अभिनेता को बेचैनी-सी फील हो रही थी और इसके बाद एक्टर को अपोलो अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां पर उनका इलाज जारी है। इस पर अभी तक अस्पताल ती तरफ से भी कोई बयान सामने नहीं आया है। ऐसे में अब हर कोई परेशान है और एक्टर के लिए दुआ कर रहा है।

बनभूलपुरा हिंसा खुफिया तंत्र की नाकामीः मायावती

लखनऊ (हसं)। हल्द्वानी में हुई हिंसा खुफिया तंत्र की बड़ी नाकामी है। हालात सामान्य करने के लिए सरकार को सजगता से कार्य करना होगा। यह बात बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष व उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती द्वारा कही गयी। उन्होने उत्तर प्रदेश में इस तरह की घटना न होने पाए इसको लेकर यूपी सरकार को भी नसीहत दी है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इसको लेकर पोस्ट किया है। मायावती ने एक्स पर लिखा है कि उत्तराखण्ड के हल्द्वानी में हुई हिंसा और उसमें जान-माल की हुई क्षति अति-चिन्तनीय है। अगर सरकार, प्रशासन व खूफिया तंत्र सतर्क होता तो इस घटना को रोका जा सकता था। सरकार इसकी उच्च स्तरीय जांच कराए और अमन-चैन भी कायम करे। उत्तराखण्ड से लगे यूपी के बरेली में भी आए दिन किसी न किसी मुद्दे को लेकर तनाव की स्थिति बनी रहती है, जिसे समय रहते सरकार को नियन्त्रित कर लेना चाहिये। हल्द्वानी में हुई हिंसक घटना के बाद शुक्रवार को नमाज अदा होने से पहले ही उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार ने पुलिस को सख्त हिदायत दी थी कि कहीं पर भी किसी तरह की अप्रिय घटना न होने पाए। मस्जिदों के बाहर बड़ी संख्या में पुलिस बल की तैनाती की गई। हालांकि उत्तर प्रदेश के बरेली जिले में हल्द्वानी जैसी घटना को अंजाम देने की साजिश तो रची गई लेकिन पुलिस की सक्रियता और सूझबूझ के आगे अराजक तत्वों की एक भी न चली।

इस लोक में भक्तिमार्ग ही सबसे उत्तम व परम कल्याणकारी है: ममगाईं

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। आज हर्रावाला देहरादून में सुधामा प्रसाद भट्ट की पुण्य स्मृति में भट्ट परिवार द्वारा आयोजित श्रीमद्भागवत महापुराण के समापन दिवस पर ज्योतिष्पीठ व्यास आचार्य शिवप्रसाद ममगांई ने कहा कि यह भक्ति मार्ग ज्ञान, मार्ग से भी अधिक श्रेष्ठ है। क्योंकि पापी पुरुष भगवान में मन समर्पित करके भगवद्भक्त पुरुषों की सेवा में मन लगाने से जिस प्रकार पवित्र हो सकता है। ऐसा वह तपस्या आदि करने से कभी नहीं हो सकता, इसलिए इस लोक में भक्तिमार्ग ही सबसे उत्तम व परम् कल्याणकारी है। इस मार्ग में किसी प्रकार के विघ्न की सम्भावना नहीं है।

उन्होंने कहा, सुशील दयालु निष्काम धर्म परायण साधु इस मार्ग में सदैव विद्यमान रहते हैं। इसलिए ज्ञान मार्ग के अलावा इस लोक में दूसरा मार्ग नहीं है। इस मार्ग में कोई भय व बाधा नहीं है। एक भक्ति ही निरपेक्ष होकर पवित्र करने में समर्थ है। अपने गूढ़ व्याख्या शब्दों में आचार्य कहते हैं, जिस प्रकार नदियों का जल दूषित जीवों को पवित्र नहीं कर सकता उसी प्रकार हरि भक्ति से विमुख व्यक्ति भी बिना प्रायश्चित के पवित्र नहीं हो सकता। भक्ति चाहे थोड़ी बहुत ही हो किंतु वह पवित्र करने में भलीभांति समर्थ है।

इसका प्रमाण है कि जो व्यक्ति भगवान के पादारविन्दों में मन लगा लेते हैं, एक बार के मन लगाने से उनका मन भगवान का अनुरागी हो जाता है।

इस अवसर पर विशेष रूप से महापौर सुनील उनियाल गामा, पूर्व मण्डल अध्यक्ष अशोक राज पंवार, श्रीमति शांति देवी भट्ट, सुरेश भट्ट, पार्षद विनोद कुमार, आचार्य दिनेश नौटियाल, भाजपा के संजय ठाकुर की उपस्थिती के साथ पूनम सती के भजनों ने वातारण को भक्तिमय बना दिया।

नवीन, प्रवीण, मुकेश, सतीश, दिनेश भट्ट, कृष्ण कुमार जुगरान, प्रसन्ना काला, ललित भट्ट, रमेश,मदन, राजेंद्र भट्ट, आचार्य दिनेश नौटियाल, प्रेम प्रकाश कुकरेती, ध्रुव नारायण शर्मा अनिता शर्मा वर्षा शर्मा सोमप्रकाश षर्मा विनोद कुमार, पार्षद, भगवतीप्रसाद कपरूवान, सुशील ममगाईं, मनोज ममगाईं, घनानन्द गोदियाल, राजेंद्र भंडारी, बलवंत सिंह रावत, मीना भट्ट, माधुरी, पूनम, प्रीति, रचना, अर्चना, चंद्रप्रकाश, प्रसन्ना, मीना कुकरेती, आचार्य दामोदर प्रसाद सेमवाल, आचार्य विश्वदीपक गौड़, आचार्य हिमांशु मैठाणी, आचार्य अंकित केमनी, आचार्य सुनील ममगाईं आदि मौजूद रहे।

इंटरनेट बैंकिंग के माध्यम से ठगे चार लाख रुपये

देहरादून (सं)। इंटरनेट बैंकिग के माध्यम से खाते से निकाले चार लाख रूपये के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार सुभाष रोड निवासी सुधीर अवस्थी ने डालनवाला कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसका पंजाब नेशनल बैंक, गामा सेक्टर, ग्रेटर नौयडा, उत्तर प्रदेश में एक बचत खाता है जिसमें उसकी पेंशन की धनराशि आती है। उसको एक वाद के संबन्ध में इस खाते के प्रमाणित विवरण की आवश्यकता है अतः 6 फरवरी 24 को उसने अपने मोबाइल द्वारा बैंक को सम्पर्क करने का प्रयास किया। इस बीच कुछ बैंक धोखाधड़ी करने वाले व्यक्तियों ने उससे सम्पर्क किया और उसके खाते के संबन्ध में छलपूर्वक जानकारी प्राप्त करके उसके उक्त खाते से धोखाधड़ी करते हुये इन्टरनेट बैंकिंग के माध्यम से कुल 4 लाख रूपये निकालकर अन्य खातों में स्थानान्तरित कर लिये। घोखाधड़ी करने वाला व्यक्ति अपने को दीपक चौहान बता रहा था।

मकान का ताला तोड जेवरात चोरी

देहरादून (सं)। चोरों ने मकान का ताला तोडकर वहां से जेवरात चोरी कर लिये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार बहादुरपुर निवासी विक्रमी देवी ने सेलाकुई थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह परिवार के साथ बाहर गयी थी। आज जब वह वापस आयी तो उसने देखा कि मकान का ताला टूटा हुआ था तथा अन्दर सारा सामान बिखरा हुआ था। चोर उसके यहां से सोने चांदी के जेवरात चोरी करके ले गये हैं।

मासूम से छेड़छाड़ के आरोप में बाबा गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। पिछले 18 साल से केवल फल खाकर जीवन बिता रहे एक बाबा ने बस्ती में रहने वाली 5 साल की बच्ची से छेड़छाड़ कर दी। कक्षा तीन में पढ़ने वाली बच्ची ने रोते-रोते परिजनों को आप बीती बताई। जिसके बाद परिजनों की सूचना पर हरकत में आई पुलिस में बाबा को हिरासत में ले लिया। हवालात में बाबा ने दीवार में सिर फोड़ने का प्रयास करते हुए हाई वोल्टेज ड्रामा खड़ा कर दिया। जिसके बाद उसको उपचार दिलाकर पुलिस ने उसे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया है।

मामला कनखल थाना क्षेत्र का है। जानकारी के अनुसार शुक्रवार की शाम डायल 112 पर सूचना मिली कि बैरागी कैंप क्षेत्र में एक बाबा ने बस्ती में रहने वाली 5 साल की बच्ची के साथ दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया गया है। सूचना मिलने पर इंस्पेक्टर कनखल भावना कैंथोला अधीनस्थों के साथ बैरागी कैंप पहुंची और घटना की जानकारी ली। शुरुआती छानबीन में पता चला कि बाबा ने बच्ची के साथ गलत हरकत की

है। पुलिस ने तुरंत मासूम को मेडिकल के लिए भिजवाते हुए बाबा को हिरासत में ले लिया। परिजनों की तहरीर मिलने पर बाबा के खिलाफ पोक्सो एक्ट में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है इस बीच बाबा ने सुबह हवालात की दीवार में सिर मार कर खुद को घायल कर लिया। पुलिस ने तुरंत बाबा को अस्पताल भिजवाया।

इंस्पेक्टर कनखल भावना कैंथोला ने बताया कि बच्ची के परिजनों की तहरीर पर बाबा के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। जिसके बाद उसे कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

सार्वजनिक सूचना

मेरे पति स्व.श्री हरगोपाल जिनके सैन्य अभिलेखों में मेरी जन्म तिथि 8.11.1944 है जो कि गलत है। जबकि आधार कार्ड व पेन कार्ड में मेरी जन्म तिथि 5.6.1942 है जो कि सही है। जिस कारण मेरे पति के सैन्य अभिलेखों में मेरी जन्म तिथि 5.6.1942 किया जाना न्यायहित में आवश्यक व न्यायोचित है।

निर्मला देवी
पत्नी स्व. श्री हरगोपाल
निवासी 74 विवेक विहार,
पाकेट न.1, बल्लुपुर देहरादून।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकारः
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालयः दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोटः सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।